''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, अंक 280 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए बुधवार, 25 दिसंबर 2024 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

फरीदाबाद जिला के सौंदर्यीकरण में भागीदार बनें विभागीय अधिकारी : कृष्णपाल गुर्जर

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने जिला के विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा की

जिला विकास समन्वय निगरानी समिति की बैठक का हुआ आयोजन

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिला के सौंदर्यीकरण, जाम मुक्त करने सहित जिले से निकल रहे राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों और अतिक्रमण हटाते हुए बेहतर वातावरण में जिलावासियों को सुखद अनुभूति मिले इसके लिए सम्बंधित अधिकारी पूरी सक्रियता से अपना दायित्व निभाएं। जिला की सभी सड़कों पर सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से रोड मार्किंग सुनिश्चित की जाए। यह निर्देश केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने दिए। केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर मंगलवार को सेक्टर-12 स्थित, लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वय निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर जिला फरीदाबाद में विभिन्न विकास योजनाओं और परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए समीक्षा कर रहे थे। एडीसी साहिल गुप्ता ने जिला प्रशासन की ओर से केंद्रीय राज्य मंत्री, विधायक एनआईटी सतीश फागना सहित अन्य अन्य गणमान्य लोगों का स्वागत किया।

चौराहें व सड़कों की स्वच्छता पर रहे फोकस : गुर्जर

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा विकास कार्यों में गुणवत्ता का सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने एफएमडीए, नगर निगम सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के सभी चौराहो व सड़क के दोनों और स्वच्छता पर फोकस रखते हुए सुंदर फरीदाबाद की परिकल्पना को साकार करें। उन्होंने कहा कि सड़कों के किनारे व डिवाइडर पर हरियाली के लिए पेड़ पौधे लगाए जाएं और अवैध कट बन्द करने के साथ ही हाइवे किनारे अतिक्रमण हटाया जाए।

डेवेलपमेंट प्रोजेक्ट का अपडेट रखें ब्यौरा : केंद्रीय राज्य मंत्री

बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि जिला में जितने भी विकास कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है उसकी पेमेंट होने से पूर्व डेवलपमेंट प्रोजेक्ट का रिकॉर्ड अपडेट रखते हुए उसकी फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी कराई जाए ताकि कार्य कुशलता का पूरा ब्यौरा सम्बंधित विभाग के पास रहे। उन्होंने एफएमडीए व सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को दिल्ली नोएडा डायरेक्ट केएमपी एक्सप्रेस वे के दोनों और केली क्षेत्र तक फेंसिंग करने, फुटपाथ बनाने, ग्रीन बेल्ट विकसित करने सहित सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला के आमजन को विकास योजनाओं और परियोजनाओं का लाभ मिल सके, इसके लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को चाहिए कि वो विकास योजनाओं और परियोजनाओं को निर्धारित समय अवधि में पूरा करना सुनिश्चित करें।

विभागीय स्तर पर विकास योजनाओं की समीक्षा हुई :

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने समीक्षा बैठक में क्रमवार संबंधित विभागों के प्रशासनिक और तकनीकी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने पंचायती राज, ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, शहरी निकाय, खेल विभाग सहित अन्य केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की क्रियान्वयन सम्बंधित पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। जिला विकास समन्वय निगरानी समिति की बैठक में जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के सीईओ सतबीर मान ने एक-एक करके विभागवार जिला फरीदाबाद में विकास योजनाओं और परियोजनाओं की जानकारी दी।

यह रहे मौजूद :

बैठक में फरीदाबाद एनआईटी विधायक सतीश फागना, नगर निगम आयुक्त ए मोना श्रीनिवास, एडीसी साहिल गुप्ता, निगम के अतिरिक्त आयुक्त स्वपनिल रविंद्र पाटिल, डीसीपी सेंट्रल उषा, एसडीएम बड़खल अमित मान, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, निगम के जॉइंट कमिश्नर गौरव अंतिल, सीटीएम अंकित कुमार, एमसीएफ के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, नगर निगम ग्रेटर की संयुक्त आयुक्त द्विजा सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

राज्यमंत्री राजेश नागर का लकड़पुर गांव में हुआ जोरदार स्वागत

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार राजेश नागर और उत्तर प्रदेश अमरोहा के सांसद कवर सिंह तवंर का लकड़पुर गांव में निर्वतमान पार्षद एवं भाजपा नेता जितेन्द्र भड़ाना(जित्ते भाई) ने अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर सहमल सिंह बिधुरी (चेयरमैन,एसबी ट्रांसपोर्ट) भी मुख्य रूप से मौजूद थे। जैसे ही राज्यमंत्री और सांसद का काफिला गांव में पहुंचा गांव वालों ने राजेश नागर जिन्दाबाद,कवर सिंह तंवर जिन्दाबाद के नारे लगाकर और पुष्प वर्षा करके दोनो लोकप्रिय नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर जितेन्द्र भड़ाना(जित्ते भाई) ने गांव के मौजिक लोगों के साथ मिलकर दोनों नेताओं का शॉल ओढ़ाकर व पगड़ी बांधकर अभिनन्दन किया। इस

राज्यमंत्री राजेश नागर और उत्तर प्रदेश अमरोहा के सासंद कवर सिंह तंवर को गांव वालों ने पगड़ी पहनाई

अवसर पर राजेश नागर ने कहा कि जितेन्द्र भड़ाना(जित्ते भाई) वाकई में जमीन से जुड़े नेता है और निर्वतमान पार्षद के पद पर रहते हुए उन्होनें हमशा जनता के भलाई और विकास के बारे में सोचा। मेरा मानना है कि ऐसे नेता खूब तरक्की करते है। इस मौके पर कवर सिंह तंवर ने कहा कि जितेन्द्र भड़ाना के बारे में सुना तो बहुत था लेकिन इतनी भारी भीड़ देखकर लगता है कि जनता उनके कन्धे से कन्धा मिलाकर चलने को सदैव तैयार है। इस अवसर पर जितेन्द्र भड़ाना(जित्ते भाई) ने कहा कि जनता ने हमेशा मुझे प्यार और आर्शीवाद दिया है तभी तो वह पार्षद बने ताकि में उनकी तन,मन और धन से सेवा कर सकूं। उन्होनें कहा कि राजेश नागर मेरे मार्गदर्शक बनकर आए है और में उनकी ऊगली पकडक़र राजनीति में और आगे बढ़ुगा ताकि मेरा वार्ड विकसित और खुशहर बन सके। इस मौके पर

जगबीर भड़ाना , संजीव भड़ाना, विजय सरपंच ,सुभी भाई ,छोटे भड़ाना ,सतेंद्र भड़ाना , वेद भड़ाना , भोले भगत जी ऋषिपाल भड़ाना , ओमपाल भड़ाना , रामगोपाल भड़ाना , अजय ठाकुर जी , रामपाल जी ,अशोक चौधरी , नरेंद्र भड़ाना ,रूपराम ,सतीश भड़ाना ,रोहित सिंह , करतार सिंह ,दूबे जी , हरीश भाटी , राजवीर प्रधान जी (नंदा वाले), गुप्ता जी , बदन सिंह ,पूरण भड़ाना , रितिक भड़ाना , हर्ष भड़ाना , निक्षय भदाना इत्यादि लोग उपस्थित थे।

डीएवी स्कूल एनएच-3 के बच्चों ने की वृद्धों से मुलाकात

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। डीएवी स्कूल एनएच-3 किडंरगार्टन के पहली व दूसरी कक्षा के बच्चों ने आज एनएच-2 स्थित ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम में वृद्धों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनसे आर्शीवाद लिया। इस अवसर पर बच्चों ने वृद्धों के लिए गाने गाए और उन्हें चुटकुले भी सुनाए और उन्हें उपहार भी दिए। वृद्धों ने भी बच्चों को अपने जीवन के खटटे मीठे किस्से सुनाए। वृद्धों ने बच्चों को बताया कि किस तरह उन्हें स्कूल में पढने. के लिए मीलों पैदल जाना पड़ता था क्योकि उनमें पढने. का जूनून था। उन्होनें बताया कि बच्चों हमेशा अपने गुरूजनों का आदर करना चाहिए क्योकि यही आपके भविष्य के निर्माता है। उन्होनें बताया कि अपने गुरूजनों के मागदर्शन से आप लोग संस्कारवान बनेगें, संस्कारवान बनने से समाज से बुराईयों का अंत होगा और देश तरक्की करेगा। इस मौके पर बच्चों ने एक सुर में कहा कि वृद्धों से मिलकर उन्हें अपार खुशी मिली है। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के संचालक कृष्ण लाल बजाज ने कहा कि बच्चे तो भगवान का रूप होते है। उन्होनें कहा कि बच्चों के इस तरह वृद्धों से मिलने पर वृद्धों का भी मन लगता है और बच्चों में भी अपने माता पिता के प्रति आदर और सम्मान का भाव पैदा होता है। इस मौके पर स्कूल की अध्यापिकाओं ने कहा कि प्रधानाचार्य ज्योति त्यागी जी के मागदर्शन और दिशा निर्देश से वह वृद्धाश्रम में किडंरगार्टन स्कूल के बच्चों के साथ आए है ताकि वे कुछ समय बुजुर्गो के साथ बिता सके।

मदर टेरेसा सर्विस क्लब ने बांटी जर्सियां

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। सत्यवीर धनखड़ फरीदाबाद के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आज राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अलावलपुर में जर्सी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । विद्यालय की एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट मोनिका देशवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मदर टेरेसा सर्विस क्लब की ओर से विद्यालय की छात्राओं को डेढ़ सौ जर्सी एवं डेढ़ सौ टोपी का वितरण किया गया जिसमें मदर टेरेसा सर्विस क्लब की फाउंडर श्रीमती रजनी श्रीमती आशिमा गोयल, श्रीमती हरविंदर सहारा, श्रीमती किरण शर्मा ,श्रीमती रितु खोसला, रितु जुनेजा, अनीशा उप्पल मौजूद रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती गीता सौरौत ने शिरकत की। श्रीमती गीता ने सभी छात्राओं को जीवन में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए । जिनकी सभी अतिथियों ने बहुत सराहना की। विद्यालय प्रभारी डॉक्टर वीरेंद्र सिंह जी की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे।

विधायक धनेश अदलखा ने गायत्री मंत्र से किया ट्यूबवैल का उदघाटन

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। बडखल विधायक धनेश अदलखा द्वारा 3सी ब्लॉक स्पोर्टस काम्पलैक्स में पानी के टयूबनैल का उदघाटन गाणमान्य लोगों की मौजूदगी में गायत्री मंत्र से किया ताकि लोगों को मीठा पानी उलब्ध हो सके। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार वोहरा, मंडल अध्यक्ष अमित आहूजा, आर्य समाजी माता, नारायण, रितेश भाटिया, एस सी कथूरिया, परविंदर, राजकुमार मदान, आर.के अरोड़ा, ओमप्रकाश ढीगड़ा, अशोक कुमार, मुकेश अरोड़ा, रमेश मदान, वासु, भरत मलिक, धरम पाल, मुंजाल, चंदर, जी.सी. छाबड़ा, एस.पी. वर्मा उमेश डागर उपस्थित थे। विधायक धनेश अदलखा का सी ब्लॉक में पधारने पर लोगों ने भारतीय जनता पार्टी जिन्दाबाद,विधायक धनेश अदलखा जिन्दाबाद के नारों और फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर धनेश अदलखा ने कहा कि मैने 20 वर्ष तक अपने वार्ड को परिवार की तरह संभालता था आज मुझे बडखल का परिवार मिला है उसे भी बखूबी सभालुगां। उन्होनें कहा कि 3-4 महीनों के बाद गर्मी की शुरूआत होगी उससे पहले ही टयूबवैल लगाना उचित है ताकि लोगों को समय रहते पानी मिल सके। मेरा लक्ष्य है 15-20 जनवरी 2025 से पहले सभी टयूबवैल के कनेक्शन जोड़ दूं और यदि मुझे महसुस हुआ कि मार्च अप्रैल में पानी की और जरूरत है तो में रैनीवैल की परियोजना को और बढाऊगां। धनेश अदलखा ने कहा अगली बार जब में चुनाव लडग़ां तो इस विधानसभा का नाम एनआईटी होगा क्योकि एनआईटी, पंजाबियों को प्रभु का दिया हुआ गिफ्ट है। 30 दिसंबर 2024 को ईएसआई चौक और मंकर संक्राति पर चिमनी वाई चौक की सौगात जल्दी ही जनता को मिलेगी ऐसा मेरा मानना है। उन्होनं कहा कि इस शहर को जिन लोगों ने बसाया जिनमें सरदार गुरबचन सिंह,कन्हैया लाल खटक और फतेह सिंह खत्री के नाम से चौको का नाम रखा जाएगा, ताकि शहर उन लोगों के नाम से जाना जाए ऐसी मेरी सोच है। उन्होनें कहा कि सीवरेज की समस्या को लगभग खत्म कर दिया गया है और पार्को का नवीनीकरण किया जा रहा है और सडक़ेबनाई जा रही है। धनेश अदखा ने कहा कि बडखल विधानसभा क्षेत्र को चमकाने और खुशहाल बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोडेगें। इस मौके पर लोगों ने कुछ समस्याएं रखी जिसका विधायक ने तुरन्त समाधान करने का आश्वासन दिया।

30 दिसंबर को ईएसआई चौक और मंकर संक्राति पर चिमनी वाई चौक की सौगात मिलेगी जनता को- धनेश अदलखा

सरकार द्वारा निरंतर हो रही समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों के समाधान की समीक्षा

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में जनसेवा को समर्पित हो कार्य किये जा रहे हैं। डीसी विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित समाधान शिविर की श्रृंखला में मंगलवार को एसडीएम फरीदाबाद शिखा ने लघु सचिवालय सभागार में नागरिकों की शिकायतें सुनी। समाधान शिविर में आई शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए गए।

शिखा ने कहा कि अधिकारी समाधान शिविरों में प्राप्त हो रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए यथाशीघ्र निपटारा सुनिश्चित करें। इनमें प्रमुख तौर पर प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, जमीन का पंजीकरण, लोकल बॉडी का नो ड्यूज सर्टिफिकेट, म्युनिसिपल कमेटी से नक्शा अनुमोदन, बिजली-सिंचाई-सार्वजनिक स्वास्थ्य, समाज कल्याण पेंशन तथा अपराध की शिकायतें और राशन कार्ड को शामिल किया गया है। इनसे संबंधित हर प्रकार की शिकायतों के समाधान के लिए समाधान शिविर में संपर्क किया जा सकता है। सरकार द्वारा निरंतर समाधान शिविर में प्राप्त हो रही शिकायतों के समाधान की समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय एवं मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा निरंतर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविरों की निगरानी की जा रही है।

एसडीएम ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा समाधान शिविर के तहत एक छत के नीचे सभी विभागों की शिकायतों का यथासंभव निपटारा करवाया जा रहा है। प्रत्येक कार्य दिवस जिला मुख्यालय के साथ-साथ नगर निगम कार्यालय एवं उपमंडल मुख्यालय पर सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। इस अवसर पर संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री राजेश नागर के सहयोग से गुर्जर समाज की पहचान बना रहा गुर्जर महोत्सव : बडौली

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। गुर्जर समाज का गौरवमयी इतिहास रहा है। यह समाज अपने संस्कारों को गुर्जर महोत्सव के रूप में दुनिया के सामने ला रहा है। आने वाले समय में इस मेले में पूरी दुनिया से यहां लोग आएंगे। यह बात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने कही। वह यहां सूरजकुंड मेला परिसर में आयोजित तीसरे गुर्जर महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस महोत्सव का आयोजन गुर्जर आर्ट एंड कल्चर ट्रस्ट द्वारा किया गया है। बडौली ने कहा कि गुर्जर समाज में पन्ना धाय जैसी वीर महिला का चरित्र हमें देखने को मिलता है। यह अच्छी बात है कि आज समाज अपनी संस्कृति को दुनिया के बीच रखने के लिए एक मेले का आयोजन कर रहा है। आने वाले समय में यह बहुत विशाल रूप लेगा। इसके लिए मैं वर्तमान में ही आपको बधाई दे रहा हूं। उन्होंने गुर्जर समाज के युवाओं से नशे से दूर रहने की भी अपील की। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में मंत्री राजेश नागर ने राम राम से शुरू अपने संबोधन से समाज को कनेक्ट किया। उन्होंने कहा कि गुर्जर महोत्सव में हमारी माता बहनों ने गुर्जरी ओढना पहनकर माहौल को विशेष बना दिया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश और विदेशों से भी गुर्जर समाज के लोग अपनी कला को दिखाने के लिए आए हैं। जिन्हें देखने के लिए सर्व समाज के लोग भी मेला में आ रहे हैं। मेला आयोजन में स्थानीय पुलिस प्रशासन के सहयोग का भी उन्होंने उल्लेख किया। इससे पूर्व मंत्री राजेश नागर और गुर्जर आर्ट एंड कल्चर ट्रस्ट के अध्यक्ष दिवाकर बिधूडी आदि ने संयुक्त रूप से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली का स्वागत करते हुए गुर्जर समाज के आयोजन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुर्जर महोत्सव ने पूरे देश से समाज को एकसूत्र में बांधने का काम किया है। नागर ने कहा कि हमारा समाज अपनी पुरानी सांस्कृतिक पहचान को प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहा है। हमने इस महोत्सव के जरिए समाज में गुर्जरी भाषा, भोजन, पहनावा को पहुंचाने का काम किया है। बता दें कि इस महोत्सव में तीनों दिन गुर्जर समाज के कलाकारों, शिल्पकारों सहित समाज के नेताओं की भागीदारी रही है।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार बोहरा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष राजबाला सरधाना, समय सिंह कसाना, जगदीश अम्बावता, सुन्दर कसाना, रणदीप चौहान, निशांत छौंकर, सुभाष गुर्जर, राहुल यादव, एमपी नागर, विजय नागर, हाकिम सिंह, राहुल छाबड़ी, दीपक अवाना आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सुशासन दिवस समारोह आज मनाया जाएगा : एडीसी

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। एडीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि बुधवार, 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय सुशासन दिवस समारोह प्रात: 11 बजे सेक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय के सभागार कमरा नंबर 603 में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर होंगे। समारोह में जिला में सुशासन सप्ताह के तहत विभिन्न गतिविधियों के आयोजन बारे जानकारी दी जाएगी साथ ही विभागीय स्तर और श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें।
नोट : मेल में नाम, पता और मोबाईल नंबर जरूर लिखें।
samachargate@gmail.com

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

जानकारी

मन और शरीर दोनों को स्वस्थ रखती है प्रार्थना

तनाव से निपटने के लिए आप क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम से लेकर डॉक्टरी सलाह तक, लेकिन, इन सबके अलावा भी एक अन्य उपाय है। जो आसान होने के साथ-साथ बेहद कारगर भी है और वो है प्रार्थना। आपने कभी तनाव करने के लिए प्रार्थना का सहारा लिया है। जी, प्रार्थना से न सिर्फ तनाव का स्तर कम होता है, बल्कि यह कई बीमारियों से बचाने में भी मददगार साबित होती है।

एक शोध के मुताबिक प्रार्थना मन के साथ-साथ शरीर को भी स्वस्थ रखती है। इसके साथ ही इससे उम्र में भी इजाफा होता है। यही नहीं प्रार्थना करने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुए इस शोध में पाया गया कि धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों में कई तरह की बीमारियां होने की आशंका भी कम होती है।

जीवनशैली पर पूजा का प्रभाव

नियमित रूप से पूजा और प्रार्थना करने से मन में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और प्रार्थना करने वाले व्यक्ति भीतर से अच्छा और बेहतर महससू करता है। इससे जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। आजकल अनियमित जीवनशैली कई रोगों की मुख्य वजह है। जब आप पूजा और प्रार्थना को अपने जीवन में एक आदत के तौर पर शामिल करते हैं तो निश्चित ही आप अपने अंदर अच्छा बदलाव महसूस करेंगे। विशेषज्ञों की मानें तो पूजा और संगीत व्यक्ति में बढ़ रहे दबाव का स्तर कम करते हैं। इसका मतलब है ये गतिविधियां जीवन में संतुलन बनाए रखती हैं। प्रार्थना का सकारात्मक प्रभाव देखने के लिए जरूरी है कि उसे दिल से किया जाए। नियमित योग करने वाले लोग हमेशा फिट रहते हैं वह भी एक किस्म की पूजा प्रार्थना कर रहे होते हैं।

प्रार्थना के अन्य लाभ

- प्रार्थना करने से मन स्थिर और शांत रहता है। क्रोध पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।
- इससे स्मरण शक्ति और चेहरे की चमक बढ़ती है।
- प्रार्थना से मन में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है, जिससे मन निरोगी बनता है।
- शोध में पाया गया है नियमित तौर पर ईश्वर का ध्यान करने और प्रार्थना करने से रक्त संचार दुरुस्त रहता है।
- सामूहिक तौर पर प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में एकता का भाव बढ़ता है और अकेलापन दूर होता है।
- धार्मिक स्थल तक पैदल चल कर जाने से व्यायाम भी हो जाता है।

नोएटिक थैरेपी क्या है?

नोएटिक (मंत्रों, संगीत, स्पर्श और प्रार्थना) थैरेपी वह थैरेपी होती है, जिसमें बिना दवाई, उपकरण और सर्जरी के इलाज किया जाता है। कई मरीजों पर नोएटिक थैरेपी का इस्तेमाल करने से पाया गया है कि वह,जो सिर्फ दवाई लेते हैं, उनके मुकाबले इनके 30 प्रतिशत ज्यादा सही होने की संभावना होती है साथ ही इन लोगों में एक आश्वासन इस बात का भी होता है कि ये मरीज लंबे समय तक बीमार नहीं पड़ते।

शरीर में दिखें ये संकेत तो तुरंत बंद कर दें उपवास

आयुर्वेद के अनुसार, शरीर मे मौजूद विषाक्त पदार्थों को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका उपवास अर्थात व्रत रखना है। उपवास गैस की समस्या को खत्म करता है और शरीर को स्वस्थ रखता है। आयुर्वेद में बताया गया है कि उपवास के कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। व्यक्ति को लंबे समय तक लगातार व्रत रखने के बजाय सप्ताह में 2-3 दिन उपवास रखना चाहिए। व्रत रखने में नियमित होना भी बहुत जरूरी है। आपको कितने दिन व्रत रखना चाहिए, आयुर्वेद में इस बात के भी अलग-अलग आधार तय किए गए हैं, जो आपके शरीर में वात, पित्त और कफ दोषों के आधार पर तय होते हैं। आइए आपको बताते हैं कि किन लोगों के लिए कितने दिन का व्रत रखना सुरक्षित हो सकता है।

उपवास रखना कब बंद करें?

हमारा पाचन तंत्र उपवास के समय आराम कर रहा होता है, इसलिए पाचन अग्नि पर दबाव न डालना बहुत महत्वपूर्ण है। यदि आप इनमें से किसी भी लक्षण को महसूस करते हैं, तो उपवास बंद कर देना चाहिए। यदि आपके पेट में दर्द, जलन या गैस्ट्राइटिस की समस्या महसूस हो, तो तुरंत उपवास रखना बंद कर दें। गैस्ट्राइटिस वह अवस्था है जिसमें म्यूकोसा और पेट में सूजन आती है यदि आप उपवास करते हैं, तो यह भी सुनिश्चित करें कि आप उचित सावधानी बरतें।

उल्टी या बेहोशी

यदि आपको ऐसा लग रहा हो कि आपको उल्टी, चक्कर या बेहोश होने की स्थिति हो रही है, तो यह संकेत है कि आपके शरीर को ग्लूकोज की जरूरत है। उल्टी आने का लक्षण शरीर में गैस्ट्रिक जलन और इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन को दर्शाता है। ऐसे में आपको तुरंत उपवास खत्म कर देना चाहिए। अगर आप व्रत नहीं तोड़ सकते हैं, तो ऐसी स्थिति में जल्द से जल्द फलों का जूस लें। फलों में प्राकृतिक रूप से सुक्रोज होता है, जो शरीर में ग्लूकोज की जरूरत को पूरा करता है।

छाती और पेट में दर्द

उपवास रखने से पहले एक बात जरूर ध्यान रखें। अगर आपका शरीर उपवास के लिए तैयार न हो तो उपवास न रखने में भलाई है, क्योंकि आपका स्वास्थ्य आपकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। छाती, पेट या पेट के आसपास दर्द से कई अन्य बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए, यदि आप इस तरह छाती या पेट के आसपास दर्द महसूस करते हैं, तो आपको उपवास को बंद करना चाहिए।

आयुर्वेद के अनुसार व्रत के ये हैं नियम

वात : वात दोष वाले लोगों को सप्ताह में तीन दिनों से अधिक समय तक उपवास नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऐसे लोगों के लंबे समय तक उपवास करने से शरीर में वात की विकृति हो सकती है और शरीर में कमजोरी एवं घबराहट हो सकती है।

पित्त : पित्त दोष वाले लोगों को सप्ताह में चार दिन से ज्यादा उपवास नहीं करना चाहिए। चार दिनों से अधिक उपवास करने से शरीर में अग्नि तत्व बढ़ जाता है, जिससे गुस्सा आने के साथ-साथ चक्कर आने की समस्या हो सकती है।

कफ : कफ दोष वाले लोग लंबे समय तक उपवास रख सकते हैं। उपवास रखने से वे अच्छा महसूस करते हैं और उनका ध्यान भी बेहतर होता है। यानी ऐसे लोग किसी काम को केंद्रित होकर कर पाते हैं।

डायरिया

डायरिया यानी अतिसार, दस्त अक्सर गलत खान-पान, शरीर में पानी एवं पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है। उपवास के दौरान डायरिया आपके द्वारा लिए गए फलों या भोजन की मात्रा या गुणवत्ता के कारण भी हो सकता है। ज्यादातर फल प्रकृति में ठंडे होते हैं, इसलिए श्वसन संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों को ठंडी तासीर वाले फलों को खाने से बचना चाहिए। इसके कारण इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन हो सकता है। उपवास के दौरान इन सब लक्षणों को ध्यान में रखते हुए ही उपवास करें।

माहवारी

पीरियड्स के समय आपकी शारीरिक शक्ति सामान्य दिनों के मुकाबले कम हो जाती है। पीरियड्स के दौरान शरीर को एनर्जी की ज्यादा जरूरत होती है। ऐसे में यदि आप उस दौरान उपवास करते हैं, तो भी थोड़ी अतिरिक्त शारीरिक गतिविधि से वात में वृद्धि हो सकती है, जो शरीर के लिए अच्छा नहीं है। इस प्रकार, आपके लिए पीरियड्स के दौरान उपवास न करना ही बेहतर है।

उपवास खत्म करने का सही तरीका

उपवास को कैसे तोड़ा जाए, यह जानना उपवास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उपवास के दौरान आपका शरीर आराम की अवस्था में होता है, इसलिए आपका पेट सिकुड़ जाता है और आंतें भी निष्क्रिय हो जाती हैं। इसलिए हल्के और कम खाने से शुरुआत करें और धीरे-धीरे अन्य चीजें खाएं। व्रत के दौरान आपको हल्का भोजन करना चाहिए। अगर आप अचानक से भारी भोजन करते हैं तो आपको अपच हो सकती है और कई बार गंभीर स्थिति में आपके गुर्दे भी फेल हो सकते हैं। हमेशा याद रखें कि स्वस्थ तरीके से उपवास करने से आपकी ऊर्जा बढ़ती है और आपके शरीर में हल्कापन एवं मन में स्पष्टता विकसित होती है। उपवास कब्ज से राहत देने में भी मदद करता है।

काम को बार-बार टालने की आदत है, तो इस तरह पाएं इस बुरी आदत से छुटकारा

काम करते समय हमारे आसपास कई तरह के डिस्ट्रैक्शन होते हैं। कभी एक कॉल तो कभी मैसेज, हमारा ध्यान दूसरी तरफ खींचता है। कई बार फोन, मैसेज या किसी अन्य काम को करने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि हमारा जरूरी काम छूट जाता है और जब हम दोबारा उसे करने बैठते हैं तो काफी वक्त बीत चुका होता है। ऐसे में कई बार हम उस काम को अगले दिन के लिए छोड़ देते हैं या फिर उस काम को टालने या दूसरों को सौंपने का प्रयास करते हैं। अगर आपकी भी आदत यही है और आप इससे निजात पाना चाहते हैं तो यह आसान टिप्स इसमें आपकी मदद कर सकते हैं-

खुद के लिए गोल्स सेट करें

घर और ऑफिस में लोगों की आप से कुछ उम्मीदें होंगी, जिन्हें आपको पूरा करना होता है, लेकिन अगर आप अपने स्वभाव में सच में परिवर्तन लाना चाहते हैं तो अपने लिए खुद भी कुछ गोल्स सेट करें। हालांकि यह जरूरी नहीं है कि आपके द्वारा सेट किए गए गोल्स काफी बड़े हों। आप अपने डेली रूटीन में एक डायरी मेंटेंन करें और दिन की शुरुआत में लिखें कि आज आपको क्या-क्या करना है और खुद से यह वादा करें कि दिन के खत्म होने तक आप डायरी में लिखी गई चीजों को जरूर पूरा करेंगे। अगर आप ऐसा करने में सक्षम हो जाएं तो खुद को एक छोटी सी ट्रीट जरूर दें। इस तरह आपको काम समय पर खत्म करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

अनुकूल माहौल बनाएं

अमूमन लोगों का काम समय पर इसलिए पूरा नहीं हो पाता, क्योंकि उनके आसपास का माहौल सही नहीं होता। इससे छुटकारा पाने के लिए सबसे पहले तो आप ऐसा माहौल बनाएं, जिसमें आपका काम करने का मन करे। जब आसपास का माहौल अच्छा होता है तो मन खुद ब खुद काम करने के प्रोत्साहित होता है। आप कोशिश करें कि आपके आसपास सफाई हो, साथ ही आप अपनी डेस्क पर या काम की जगह पर थोड़ी ग्रीनरी एड करें। इससे आपकी आंखों एवं मन को सुकून मिलेगा और फिर आप काम भी स्पीड में करेंगे।

व्यवस्थित करें चीजें

अगर आप अपने आसपास के डिस्ट्रैक्शन को दूर करना चाहते हैं तो सबसे पहले अपनी चीजों को व्यवस्थित करके रखें। कोशिश करें कि आपकी जरूरत की चीजें जैसे पानी, कॉपी, पेन एवं अन्य चीजें डेस्क पर हो, ताकि आपको बार-बार उठने की जरूरत न पड़े। साथ ही हर चीज अपनी जगह पर रखी हो। कई बार देखने में आता है कि किसी चीज को ढूंढने में आपका काफी समय निकल जाता है, इसके साथ ही मूड खराब हो जाता है, जिससे फिर आपका काम करने का मन ही नहीं करता। इसी तरह, काम के दौरान अपने फोन को साइलेंट पर रखें और जब तक कोई कॉल बहुत अधिक जरूरी न हो, तब तक न उठाएं। कोशिश करें कि आप काम खत्म करने के बाद ही फोन का इस्तेमाल करें।

मेडिटेशन जरूर करें

सुनने में शायद आपको अजीब लगे, लेकिन यह भी आपकी कार्यक्षमता को बढ़ाने में मददगार है। कई बार लोग काम को इसलिए भी टालते हैं, क्योंकि वह उससे घबरा जाते हैं या उनके लगता है कि वह उसे पूरा नहीं कर सकते। कुछ लोगों को एंग्जाइटी की समस्या होती है, जो उनके काम को प्रभावित करती है। इन सभी समस्याओं को दूर करने में मेडिटेशन काफी कारगर है। मेडिटेशन न सिर्फ आपके मन के तनाव को कम करके आपको सुकून पंहुचाता है, बल्कि इससे आपकी एकाग्रता एवं चीजों को समझने की क्षमता भी बढ़ती है, जिससे आपका काम समय पर बेहद आसानी से पूरा हो जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3391

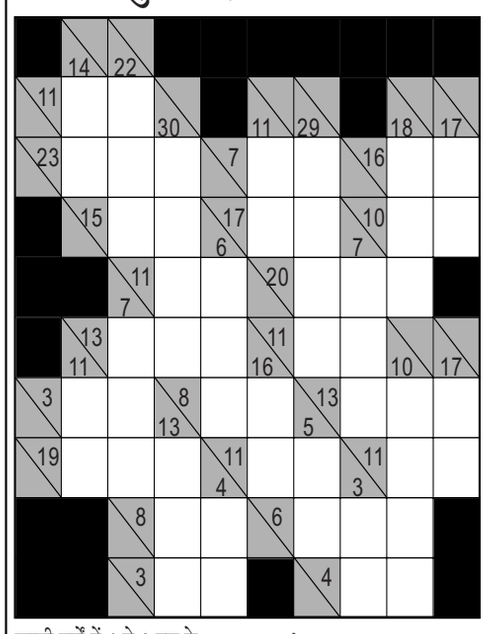

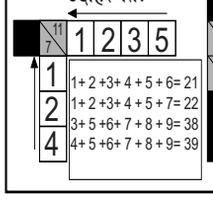

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3390 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक पुस्तक व्यापारी कुछ किताबें खरीदने हेतु एक सप्ताह के लिए लखनऊ गया। उसे लखनऊ में ऊँची चीज मिल गई और उसका दिल वहीं रह गया। जब कई दिन फालतू लग गए तो उसने अपनी पत्नी को तार दिया- 'अभी खरीददारी जारी है अगले सप्ताह हम...।'

पत्नी पति को जानती थी। वह तुरंत समझ गई।

उसने वापसी में तार भेजा- तुरंत लौट आओ...! यदि कल शाम तक वापसी नहीं हुई तो वही बेचना शुरू कर दूँगी जो तुम खरीद रहे हो।

□ □ □

रमन के बड़े भैया नरेश पिछले कई महीनों से बहुत परेशान थे। वे रमन से बोले- छोटे! मैं बहुत परेशान हूँ। मेरी बीवी हमेशा अपने पुराने पति का जिक्र करके मुझे ताना देती रहती है।

रमन बोला- भैया! ये तो कुछ भी नहीं है। मेरी बीवी ने तो अभी से मुझे उसके अगले होने वाले पति का ताना देना शुरू कर दिया है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3391

ऊपर से नीचे:-

१.'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 3390

सूडोकु -3391

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3390 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली - 3391

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -3390 का हल

एसडी विद्यालय ककराला में मनाया गया 'तुलसी पूजन दिवस'

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में मंगलवार को तुलसी पूजन दिवस का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ विद्यालय के चेयरमेन जगदेव यादव ने तुलसी पौधे के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। उन्होंने विद्यार्थियों को तुलसी के महत्व को समझाते हुये बताया कि सनातन धर्म में तुलसी के पौधे को मां के रूप में पूजा जाता है। तुलसी पूजन करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। इस पौधे में कई औषधीय गुण मौजूद होते हैं। जिनमें कैम्फीन, सिनेओल, यूजेनॉल व अन्य फाइटोकेमिकल्स में मजबूत एंटी ऑक्सीडेंट शामिल हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, प्रतिवर्ष 25 दिसंबर के

आसपास पौष माह में तुलसी पूजन दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर प्राचार्य ओमप्रकाश यादव, कोर्डिनेटर ईश्वर सिंह, जोगेन्द्र सिंह, स्नेहलता व प्रियंका सहित शिक्षक उपस्थित थे।

शराब की तस्करी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। थाना शदर बल्लभगढ कि पुलिस टीम 23 दिसम्बर को गस्त पर थी। गस्त के दौरान अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से आरोपी सचिन वासी गांव सोतई बल्लभगढ फरीदाबाद को सोतई ढ्रस्ज्ञ चौक बल्लभगढ से काबू किया है। आरोपी से 26 बोतल देशी शराब बरामद किए गए है। आरोपी के खिलाफ थाना शहर बल्लभगढ में शराब तस्करी की धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी अपनें गांव मे परचून की दुकान चलाता है। जो पैसे कमाने की नियत से शराब बेचने के लिए लाया था। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाही की गई।

संगठन पर्व को उत्सव की तरह मना रहे हैं कार्यकर्ता : मूलचंद शर्मा

संगठन के चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह : मूलचंद शर्मा

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बल्लभगढ़ से विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि भाजपा के संगठन पर्व को कार्यकर्ता उत्सव की तरह मना रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि भाजपा की साधारण सदस्यता के साथ सक्रिय सदस्यता बनाने का अभियान सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ मंडल एवं बूथ के कार्यकर्त्ता भी सक्रिय सदस्य बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगठन के चुनाव की तैयारियों में कार्यकर्त्ता पूरी तरह से लगे हुए हैं और संगठन के चुनाव के लिये कार्यकर्त्ता उत्साहित हैं। मंगलवार को सक्रिय सदस्यता, संगठन के चुनाव और संगठनात्मक विषयों को लेकर भारतीय जनता पार्टी जिला फरीदाबाद की 4 विधानसभाओं में बैठक आयोजित की गई। इन बैठकों में मुख्य वक्ता पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बल्लभगढ़ से विधायक मूलचंद शर्मा ने बडखल एवं तिगांव विधानसभा, पूर्व मंत्री संजय सिंह ने बल्लभगढ़ और पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने एन आई टी विधानसभा में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और संगठन के आगामी कार्यकर्मों की जानकारी दी।

प्रदेश के युवाओं को बिन खर्ची बिन पर्ची मिल रही हैं नौकरियां : डॉक्टर संजय सिंह

बल्लभगढ़ विधानसभा की बैठक में पूर्व मंत्री संजय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार जनहित योजनाओं के माध्यम से लगातार प्रदेश की जनता को मजबूत कर रही है। प्रदेश के युवाओं को बिन खर्ची बिन पर्ची नौकरियां मिल रही हैं। पिछले 10 वर्षों से भाजपा की प्रदेश सरकार नॉन स्टॉप विकास कर जन जन को सशक्त किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सदस्यता अभियान में और तेजी लाने का आह्वान किया।

सुशासन दिवस के रूप में मनाया जा रहा है पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन : गोपाल शर्मा

एनआईटी विधानसभा में पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने आगामी कार्यकर्मों की जानकारी देते हुए कहा कि 25 दिसंबर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 100 वें जन्मदिवस को सुशासन दिवस के रूप में हर बूथ पर मनाया जायेगा, 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जायेगा और महीने के आखिरी रविवार 29 दिसम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के देश के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात को हर बूथ पर सुना और सुनाया जायेगा।

इन बैठकों में खाध्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर, विधायक धनेश अधलखा, सतीस फागना निवर्तमान मेयर श्रीमती सुमन बाला, वरिष्ठ भाजपा नेता टिपरचंद शर्मा सहित पार्टी के सभी प्रदेश जिला एवं मंडल के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष और बूथ स्तर तक के कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

महाकुंभ के मेले की तैयारियों को लेकर सामाजिक संस्थाओं की बैठक हुई सम्पन्न

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ मेले में जाने की तैयारियों के संदर्भ में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों की एक बैठक सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर मार्किट नंबर 1 में प्रधान राजेश भाटिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में महाकुंभ में रवाना होने वाले जत्थे की तैयारियों को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान भाटिया ने कहा कि हिन्दू धर्म में महाकुंभ मेले का काफी महत्व है, यह मेला 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगने जा रहा है, जहां इसकी तैयारियों जोरों पर चल रही है। और कहा कि समुद्र मंथन से जुड़ा है महाकुंभ का इतिहास हिंदू धर्म में महाकुंभ मेले का काफी महत्व है। महाकुंभ हर 12 साल में एक बार लगता है। इस दौरान दुनिया भर के करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु गंगा जमुना और सरस्वती के पवित्र त्रिवेणी संगम तट पर स्नान करती है। ऐसा माना जाता है की महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी संगम पर स्नान मात्र करने से ही व्यक्ति के सभी पाप खत्म हो जाते हैं और उसको मोक्ष की प्राप्ति होती है।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ में जाने वाले जत्थे में शामिल सदस्यों में खासा उत्साह है और उन्होंने सभी संस्थाओं से अपील की कि, जो भी संस्था के सेवक प्रयागराज में अपनी सेवा देना चाहते हैं तो कृपया करके मंदिर में प्रधान जी से संपर्क करें। बैठक में उपस्थित शक्ति सेवा दल के उप प्रधान प्रसोत माटा ने कहा पिछले कुंभ मेले में हमारी संस्था ने बढ़ चढक्र योगदान दिया था और आज भी हमारे स्वयंसेवक महाकुंभ मेले में जाने को उत्सुक है और सभी जत्थेदार वर्दी में जाएंगे और पूरी निष्ठा के साथ अपने जिम्मेवारियों का निर्वहन करेंगे। वहीं श्री हनुमान मंदिर 2 के ब्लॉक के प्रधान सुशील कुमार ने उत्सुकता पूर्वक सभी संस्थाओं के साथ एवं प्रशासन के साथ चलने का आश्वासन जताया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ एक पवित्र स्थल है और यहां सेवा करने से मन की शांति

मिलती है इसलिए संस्था के लोग इनमें अपनी भागेदारी निभाएंगे। वहीं बैठक में उपस्थित भाटिया सेवक समाज के दलपति अनिल कुमार गांधी ने सभी से आग्रह किया कि जो भी स्वयंसेवक प्रयागराज सेवा देने जा रहा है वह कृपया सेवा देते समय स्नान अथवा कहीं भी घूमने के लिए किसी अधिकारी को बाधित ना करें। फ्रेंड सोशल वर्कर एसोसिएशन नंबर 5 के उप प्रधान बंसीलाल कुकरेजा ने प्रयागराज कुंभ मेले में जाने में अपनी सहमति जताई और सभी संस्थाओं का साथ देने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि श्री सनातन महाबीर दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत स्वरूप बिहारी शरण ने बताया कि हर बार की भांति अति उत्साह और जोश के साथ महाकुंभ की तैयारी की गई है और महाबीर दल की ओर से सभी सदस्यों और यात्रियों के लिए भोजन का रहने का एवं बिस्तर का उचित प्रबंध किया गया है एवं अन्य सभी यात्रियों के लिए 13 जनवरी 2025 से प्रभु इच्छा तक लंगर सेवा का प्रबंध भी किया गया है। महाबीर दल का सेवा शिविर 24 जनवरी से 5 फरवरी तक चलाया जाएगा। श्री सनातन महाबीर दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत स्वरूप बिहारी शरण ने सभी सदस्यों से 26 तारीख जनवरी 2025 की सुबह तक पहुंचने का आग्रह भी किया है।

इस बैठक में प्रधान राजेश भाटिया के संग फ्रेंड सोशल वर्कर एसोसिएशन के उप प्रधान बंसीलाल कुकरेजा, श्री हनुमान मंदिर महावीर दल 2 के ब्लॉक के प्रधान सुशील मेहंदीरता व समीर धमीजा, श्री शक्ति सेवा दल के उप प्रधान प्रसोत माटा व सरदार अमरजीत सिंह भाटिया, भाटिया सेवक समाज से अनिल कुमार गांधी एवं इंद्र कुमार व सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर से विजय अरोड़ा, संजीव ग्रोवर, अजय शर्मा, अनिल अरोड़ा, सचिन भाटिया, गगन अरोड़ा, रिंकल भाटिया, आशीष अरोड़ा, अमित नरूला, विपिन भाटिया मौजूद रहे।

क्रिसमस-डे व नव वर्ष के सेलिब्रेशन को लेकर यातायात पुलिस की तैयारी

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। 25 दिसंबर को क्रिसमस डे उत्सव मनाया जाएगा, साथ ही नववर्ष आगमन सप्ताह भी चल रहा है। इस दौरान शरारती तत्व सेलिब्रेशन के नाम पर शहर में कानून व्यवस्था को भंग करते हैं और शराब के नशे में वाहन चलाते हैं, जिसके लिए यातायात पुलिस फरीदाबाद ने अपनी तैयारियां कर ली है। पुलिस प्रवक्ता ने बतलाया कि इस अवसर पर सैलीब्रेशन के लिए लोग सडकों पर निकलते है तथा पार्टियों के नाम पर शहर में यातायात व्यवस्था को बाधित करते हैं व पार्टियों के बाद शराब के नशे में वाहन चलाते है। जिसकी वजह से दुर्घटनाओं की संभावना बढ जाती है। शराब पीकर वाहन चलाने वाले खुद को तो जोखिम में डालते ही हैं साथ ही अन्य के लिए भी खतरा उत्पन्न करते हैं। जिस संबंध में पुलिस उपायुक्त यातायात जसलीन कौर के मार्गदर्शन में शराब के नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाही करने के लिए यातायात पुलिस द्वारा कार्य योजना तैयार की गई है। नव वर्ष व क्रिसमस डे के अवसर पर यातायात पुलिस के एन.आई.टी, बल्लभगढ, सैन्ट्रल एवं ग्रेटर फरीदाबाद जोन में यातायात पुलिस फरीदाबाद द्वारा विशेष नाकाबंदी की जाकर शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालको की चैकिंग की जाएगी। इसके साथ-साथ संबंधित ह्रह्य द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्र में शराब पीकर वाहन चलाने वाले के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यातायात पुलिस द्वारा ऐसे स्थानों चिन्हित किये जा रहे है जहां पर यातायात नियमों की उल्लघंना होने की ज्यादा संभावनाए हैं। फरीदाबाद पुलिस की आमजन से अपील की गई है कि शराब पीकर वाहन ना चलाए, खुद भी सुरक्षित रहे तथा दूसरों को भी सुरक्षित रखें। साथ ही यातायात नियमों का पालन करे।

अंबेडकर के सम्मान में विधायक आफताब के नेतृत्व में यात्रा, राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। नूंह जिला कांग्रेस ने मंगलवार को विधायक चौधरी आफताब अहमद की अगुवाई में नूंह शहर में अंबेडकर सम्मान यात्रा निकाली जिसमें भारी संख्या में कांग्रेस नेता तथा कार्यकर्ता मौजूद रहे और बाबा भीमराव अंबेडकर जिंदाबाद के जमकर नारे लगाए। इस दौरान फिरोजपुर झिरका विधायक इंजीनियर मामन खान भी मौजूद रहे। बीते एक सप्ताह में नूंह कांग्रेस का ये भीमराव अंबेडकर के अपमान के खिलाफ तीसरा प्रदर्शन है। सर्वप्रथम पीसीसी सदस्य महताब अहमद की अगुवाई में नूंह कांग्रेस ने ग्रह मंत्री अमित शाह का पुतला फूंक कर इस्तीफ की मांग की। फिर विधायक आफताब अहमद की अगुवाई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर ग्रह मंत्री का इस्तीफा मांगा। और अब फिर कांग्रेस अपने विधायक आफताब अहमद की अगुवाई में फिर सड़क पर ग्रह मंत्री के खिलाफ

जोरदार विरोध दर्ज कराने में कामयाब हुए है।

जिला कांग्रेस मुख्यालय नूंह से लेकर लघु सचिवालय तक यह सम्मान यात्रा निकाली गई, इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। कांग्रेस नेता विधायक आफताब अहमद ने कहा कि संसद में संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर के प्रति दिया गया गृहमंत्री का बयान निंदनीय है। देश के नायकों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस पार्टी अंबेडकर के सम्मान में यात्रा आयोजित कर ये संदेश दे रही है कि संविधान और लोकतंत्र का और उनके निर्माताओं का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विधायक आफताब अहमद ने कहा कि इस बयान के बाद ही संसद में विधायकों के बीच नोक झोंक हुई थी, भारतीय जनता पार्टी दलित वर्ग की हितैषी नहीं है। उन्होंने कहा कि बाबा भीमराव अंबेडकर ने दलित वर्ग की स्थिति को ध्यान में रखते हुए संविधान में उनके लिए कई प्रावधान किए थे। संविधान निर्माण के दौरान सभी वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया, आज भारतीय जनता पार्टी की तरफ से उनका अपमान किया जा रहा है जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संसद के बीच गृह मंत्री द्वारा दिया गया बयान गलत है, भारतीय जनता पार्टी अपने द्वारा किए गए निंदनीय कार्य को छुपाने के लिए कई तरह के हथकंडे अपना रही है।

विधायक आफताब अहमद ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर भीमराव अंबेडकर सम्मान रैली का आयोजन नूंह शहर में किया गया। गृह मंत्री द्वारा दिए गए बयान के विरोध में यह प्रदर्शन हुआ जिसमें काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे जिन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेज कर ग्रह मंत्री को पदमुक्त करने की मांग की है। वहीं फिरोजपुर झिरका विधायक इंजीनियर मामन खान ने कहा कि संसद में ही खडे होकर संविधान और लोकतंत्र के पैरोकार बाबा भीमराव अंबेडकर का अपमान करना भाजपा नेताओं के असल चरित्र को उजागर करता है, उन्हें तत्काल पदमुक्त करना चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री जल्द नूंह में स्वास्थ्य सेवाओं का जायाजा लेगी : जाहिद हुसैन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। मंगलवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता चौधरी जाहिद हुसैन चेयरमैन ने हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव से उनके रेवाड़ी निवास पर मुलाकात की, इस दौरान जाहिद हुसैन चेयरमैन ने नूहं में स्थित सहीद हसन खां मेवाती राजकीय मेडिकल कॉलेज नलहड़ की खामियों के बारे में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव को अवगत कराया और उन्हें जिले में आमजन को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की।

मुलाकात के दौरान उन्होंने मेडिकल कॉलेज नलहड़ और अल आफ़िया जनरल हॉसपिटल माण्डीखेड़ा के संबंध में एक मांग पत्र भी सौंपा, जिसमें उन्होंने मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर और मशीनरी को लेकर अपनी मांग रखी वहीं उन्होंने अल आफ़िया जनरल हॉसपिटल माण्डीखेड़ा को 100 से 200 बेड का कराए जाने की मांग की, उन्होंने माण्डीखेड़ा हॉसपिटल में उपस्थित ऑक्सीजन प्लांट के लिए बजट की मांग उठाई वहीं उन्होंने अल आफ़िया हॉसपिटल में अल्ट्रासाउंड की मशीन और एक स्थाई रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति की भी मांग की है हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के रेवाड़ी निवास पर भाजपा के वरिष्ठ नेता जाहिद हुसैन ने मेवात में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति की जा रही अनदेखीयों व खामियों के बारे में विस्तार से बात की है और एक मांग पत्र सौंपते हुए उन्होंने उक्त मांगों को जल्द पूरा करने का आग्रह किया , जिस पर आरती राव ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि आपकी मांगों को जल्द पूरा किया जाएगा और नूहं जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की अनियमितताओं और खामियों को जल्द ठीक किया जाएगा और इसी विषय को लेकर में जल्द ही नूहं जिले का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा भी लूंगी।

युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय के तहत खंड स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन पीएम श्री स्कूल पाटखोरी में किया गया खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में लगभग आधा दर्जन गांवों के युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित स्तरीय प्रतियोगिता में पाटखोरी, हसनपुर बिलोंडा, चैनपुरी ,जलीखोरी, सोलपुर, महोली, ढाड़ौली सहित आदि लगभग आधा दर्जन गांवों के युवाओं ने भाग लिया। खेल प्रतियोगिता में खो-खो, 400 मीटर दौड़ , वॉलीबॉल, लॉन्ग जंप पुरुष, लोग जंप महिला आदि खेलों का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिता में 100 से अधिक युवाओं ने भाग लिया युवा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य परवीन सैनी ने कहा कि खेलों से ही युवाओं का सर्वांगीण विकास होता है, हार - जीत से इतर सभी को खेलों में भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। खेलों से टीम भावना और आपस में प्रेम भावना विकसित होती है। प्रधानाचार्य प्रवीण सैनी ने सभी

विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी के साथ सम्मानित किया। वॉलीबॉल प्रतियोगिता नाजिम आजाद और मोहम्मद शाहिद की देखरेख में संपन्न कराई गई जबकि खो खो प्रतियोगिता गीता रानी पीटीआई और अनीता देवी की अगुवाई में संपन्न हुई। दौड़ प्रतियोगिता में पदम सिंह, हरिओम गोयल, राशिद खान ने जिम्मेदारी निभाई, जबकि लॉन्ग जंप में रामोतार, पवन यादव ने संपन्न कराई। सभी खिलाड़ियों को अनुसार रिफ्रेशमेंट प्रदान किया गया। युवाओं ने कार्यक्रम में पूरे जोश और उत्साह के साथ सहभागिता की और समाज के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया बेटियों ने एक बड़ी संख्या में बढ़ चढ़कर भाग लिया जिसे देखकर समाज के लोगों ने भी बेटियों का उत्साह वर्धन किया। 400 मीटर रेस में नाजिम हसनपुर बिलौंडा से प्रथम रहे, द्वितीय स्थान पर वाजिद अली पाटखोरी से कार्तिक जैन पब्लिक स्कूल फिरोजपुर झिरका से तीसरे स्थान पर रहे। वही 400 मी महिलाओं की दौड़ में सबरूना पाटखोरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया हसनपुर बिलौंदा की काशिफा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया और सोफिया पाटखोरी गांव की रहने वाली ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लॉन्ग जंप में सनोवर हसनपुर बिलौंदा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, सबरुना पाठखोरी ने, स्थान मिस्किना चैनपुरी तीसरे स्थान पर रही। लॉन्ग जंप पुरुष वर्ग में नाजिम प्रथम स्थान, हकीम द्वितीय स्थान, यतेंद्र तृतीय स्थान पर रहे ।

खो-खो में पाटखोरी की टीम विजेता रही तथा हसनपुर बिलौंदा की उपविजेता रही वॉलीबॉल में हसनपुर बिलौंदा की टीम शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता रही । इस खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में पीएम श्री पाठ कोरी का समस्त स्टाफ पूर्ण सक्रियता से कार्यक्रम को संपन्न करवाने में हम भूमि का निभाई।

संपादकीय

अधर्म को आखिर रोकेगा कौन?

धर्म और अधर्म के बीच मौजूद सूक्ष्म विभाजन को स्पष्ट करते हुए लोक रचयिता गोस्वामी तुलसीदास महाकाव्य रामचरित मानस में लिखते हैं कि परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई। यानी कि दूसरों का हित सोचना-करना ही धर्म है और दूसरों को पीड़ा पहुंचाना ही अधर्म है। जहां तक भारत और उसकी धर्मनिरपेक्षता का सवाल है तो खुद आरएसएस और उसका राजनीतिक संगठन भाजपा (जनसंघ का परिवर्तित स्वरूप) इस पर सवाल उठाते हुए तत्कालीन सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस और समाजवादी दलों की सरकारों पर तुष्टिकरण के आरोप मढ़ती आई है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

इससे स्पष्ट है कि धर्म के प्रति बढ़ती निरपेक्षता से बढ़ते अधर्म को आखिर कौन रोकेगा, यह यक्ष प्रश्न है और इस नीतिगत सवाल पर आरएसएस को ढुलमुल नहीं, बल्कि स्पष्ट रवैया अपनाना चाहिए। चूंकि वह विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है, दुनिया के सबसे पुराने धर्म सनातन धर्म के आधार पर जीवन पद्धति को विकसित करने और प्राणी मात्र की रक्षा करने का वह पक्षधर रहा है, इसलिए उसके रवैए से देश सहित विश्व का जनमत प्रभावित होता है। क्योंकि वह अमूमन तार्किक और लोकहितैषी बातें करता आया है। उसकी शाखाओं की दिनचर्या समाज के लिए भी सेहतमंद साबित होती आई हैं। भाजपा को इस मुकाम तक पहुंचाने में उसकी मेंटर की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है।

अब जरा सोचिए, भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, लेकिन यदि वह प्राणी बद्ध/मानव बद्ध पर उदासीन रहता है, कुतर्क करता है तो इसका दोषी सरकार नहीं है तो कौन है? क्योंकि जनता को भी तो जागरूक करना उसी का कार्य है। गाहे बगाहे होने वाले सांप्रदायिक, जातीय, क्षेत्रीय या आपराधिक हिंसा-प्रतिहिंसा की बातों को कुछ देर के लिए विराम भी दे दिया जाए, क्योंकि मानवीय सनक को काबू में रखना किसी भी प्रशासन के लिए जटिल कार्य है। फिर भी इस पर सियासी कारणों से रोक नहीं लगाना भी अधर्म है।

वहीं, ऐसी ही हिंसक प्रवृत्ति से जुड़ा एक पूरक सवाल है कि यदि भारत सरकार पशु-पक्षी बद्ध के लिए लाइसेंस जारी करती है या फिर इस तरह की मिलीजुली मानवीय प्रवृत्ति पर खामोश रहती है तो मेरे विचार में वह एक अधार्मिक प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रही है और इससे उसका प्रशासन भी प्रभावित होगा। मेरा मानना है कि यदि देशवासियों को सही शिक्षा दी जाएगी, तो पुलिस व सैन्य खर्च में भारी कमी स्वत: आ जाएगी। आज यदि देश की जनता नाना प्रकार की नैतिक-भौतिक त्रासदी से जूझ रही है तो इसके पीछे उसकी धर्मनिरपेक्ष भावना ही है। जिसके चलते देशवासियों को सही शिक्षा की डिलीवरी नहीं हो पा रही है।

अटल सुशासन से नॉन स्टॉप हरियाणा

मुकेश वशिष्ठ

सुशासन का अभिप्राय मात्र अच्छे शासन से ही नहीं अपितु यह एक लोक प्रवर्धित अवधारणा है, जो शासन के विस्तार को अनंत और असीम बनाती है। ये कहना अनुचित नहीं है कि आजादी के छह दशक बाद भी सुशासन की अवधारणा को व्यवहार में नहीं लाया गया। भारतीय संविधान से प्रदत्त शक्तियों ने सुशासन अवधारणा को वैधता दी। इसलिए सुशासन में विद्यमान सहभागिता, विधि का शासन, पारदर्शिता, अनुक्रियाशीलता, आम सहमति, न्याय संगत, प्रभावशीलता, और जवाबदेही जैसी बातों पर चर्चा भी रही। मगर, पूर्व सरकारों ने कभी इसे आत्मसात करने की कोशिश नहीं की। भारतीय राजनीति के अजातशत्रु, 'भारत रत्न' अटलबिहारी वाजपेयी ने अपने प्रधानमंत्रित्व काल में अपने व्यवहार और समावेशी नीति के जरिए ऐसे लोकतांत्रिक मानदंड स्थापित किए, जो मजबूत, विकसित और स्वाभिमानी राष्ट्र के स्वर्णिम भविष्य की आधारशिला के लिए साबित हुए। इन्हीं मानदंडों को पाथेय मानते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में अटल जी के जन्मदिवस (25 दिसम्बर) को सुशासन दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की।

बीते 10 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र व राज्य सरकारें गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में सुधार लाने के अटल सुशासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रयासरत है। आर्थिक मजबूत, विकसित और स्वावलंबी हरियाणा की आधारशिला रखने में अटल जी के सुशासन मॉडल के महत्वपूर्ण योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता

मुख्यमंत्री नायाब सैनी की नई पहलों से आम जनमानस में विश्वास पैदा हुआ कि सरकार उनकी है और वे सरकार के हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को प्रेरणा मानते हुए प्रदेश में सुशासन का कार्य अक्तूबर, 2014 में शुरू हुआ। तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने आम जनमानस को घर बैठे सरकारी सेवायोजनाओं का लाभ सुलभता से पहुँचने का संकल्प लिया और क्रियान्वयन का सहारा बनाया सूचना प्रौद्योगिकी को। सहायता ली। सत्ता संभालने के दो महीने बाद ही मुख्यमंत्री ने 25 दिसंबर 2014 सीएम विंडो की शुरुआत की। सीएम विंडों के माध्यम से 13.50 लाख लोगों की सीधी पहुँच सरकार में हुई और उनकी शिकायतों का समाधान हुआ।

हरियाणा में पिछली सरकारों में बीपीएल कार्ड के नाम पर राजनीति से कोई अनभिज्ञ नहीं है। भाजपा सरकार ने अटल जी का उस विश्वास को और मजबूत किया, जो सत्ताधारी दल को सदैव जवाबदेह, उत्तरदायी, निष्पक्ष और विकासोन्मुख बनने की नसीयत देता था। इसी विश्वास के कारण परिवार पहचान पत्र जैसी अनूठी योजना का जन्म हुआ। इस योजना ने सामाजिक विषमताओं, विसंगतियों, अन्याय, अत्याचार और शोषण का प्रबलता से प्रतिकार करते हुए सुशासन को महत्ता प्रदान की। परिणामस्वरूप आज बिना भेदभाव एक क्लिक के माध्यम से 30 लाख से ज्यादा लोगों को पीले राशन कार्ड मुहैया कराए गए। जबकि 45 लाख परिवारों को 397 योजनाओं व सेवाओं का लाभ ऑनलाइन माध्यम से दिया जा रहा है। इस योजना को अब उत्तराखंड, यूपी और जम्मू-कश्मीर ने भी अपने- अपने राज्यों में लागू करने का निर्णय लिया है। आज हरियाणा में सामाजिक सुरक्षा पेंशन 3,000 रुपये मासिक देश में सर्वाधिक मिल रही है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान को सफलतापूर्वक लागू करके जन्म के समय लिंगानुपात जो वर्ष 2014 में 871 था, वो आज सुधरकर 937 (सितम्बर, 2024) तक पहुंचा है। सुशासन की बानगी के रूप में मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल किसानों के लिए कल्याणकारी साबित हुआ है। सरकार ने डी.बी.टी. के माध्यम से 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के 85 हजार करोड़ रुपये डाले हैं। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत गांवों में लाल डोरा के भीतर 25 लाख से अधिक परिवारों को मालिकाना हक देने का काम किया है। इतना ही नहीं, हर ग्रामीण घर (31.41 लाख) में नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचाया है और 5815 (88 प्रतिशत) गांवों में 24 घंटे बिजली दी जा रही है। अंत्योदय सरल पोर्टल के माध्यम से 54 विभागों की 675 योजनाएं और सेवाओं को ऑनलाइन किया है।

अटल सुशासन विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों तक सहजता, सरलता के साथ पहुंचने की पैरवी करता है। सरकार द्वारा डी.बी.टी. का उपयोग कर 141 योजनाओं के 36.75 लाख नकली अथवा दोहरे लाभार्थियों को हटाकर प्रदेश के 1182.23 करोड़ रुपये की बचत सुखद अहसास ही है। इसीतरह ऑटो अपील सॉफ्टवेयर के माध्यम से 36 विभागों की 404 सेवाएं ऑनलाइन कर 8,93,086 शिकायतों का निपटान कर सुशासन में मील का पत्थर साबित हो रही है। जबकि नागरिकों को हर समय पुलिस सहायता मुहैया करवाने के लिए हरियाणा आपातकालीन हेल्पलाइन सेवा डायल-112 शुरू की और 19,28,563 कॉल्स पर एक्शन लिया गया।

अटल जी की भांति किसानों को समस्याओं को भली भांति समझते हुए वर्तमान भाजपा सरकार ने प्राकृतिक मार पड़ने से फसल नष्ट होने पर किसानों को मिलने वाले मुआवजे की दर में वृद्धि की। प्राकृतिक आपदा से फसलें नष्ट होने पर प्रति एकड़ मुआवजा जो वर्ष 2014 में 10,000 रुपये प्रति एकड़ था, उसे भाजपा सरकार ने बढ़ाकर 15000 रुपये प्रति एकड़ तक किया। परिणास्वरूप प्राकृतिक आपदा से फसलें नष्ट होने पर विगत 10 वर्षों में किसानों को 11,000 करोड़ रुपये से ज्यादा मुआवजा दिया गया। जबकि कांग्रेस सरकार में 10 साल के कार्यकाल में मात्र 1158 करोड़ रुपये ही मुआवजा दिया गया।

हरियाणा में सुशासन का अहसास उन गरीब लोगों को ज्यादा हुआ, जो किसी कारण से पिछड गए यानि अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को। अंत्योदय उत्थान के लक्ष्य के अनुरूप भाजपा सरकार ने बी.पी.एल की वार्षिक आय सीमा, जो वर्ष 2014 में 1.20 लाख रुपये थी, उसे बढ़ाकर 1.80 लाख रुपये किया, ताकि अधिक से अधिक परिवारों को सरकारी योजनाओं के लाभ के दायरे में लाकर उन्हें लाभ दिया जा सके।

सामाजिक सुरक्षा की वार्षिक आय सीमा को 2 लाख रुपये (वर्ष 2014 में) से बढ़ाकर 3 लाख रुपये करने, बेटियों की शादी पर शगुन राशि 31,000 रुपये तक (वर्ष 2014 में)से बढ़ाकर 71,000 रुपये, बी.पी.एल परिवारों को मकान मरम्मत के लिए सहायता राशि 25,000 रुपये (वर्ष 2014 में) से बढ़ाकर 80,000 रुपये करने, मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत अति गरीब 50 हजार लोगों को स्वरोजगार के लिए ऋण मुहैया नायाब सरकार के अटलसुशासन मॉडल की महत्वपूर्ण उपलबधियां हैं। इसीतरह आयुष्मान भारत-चिरायु योजना के तहत 86 लाख आयुष्मान चिरायु कार्ड, निरोगी हरियाणा योजना के तहत 32 लाख व्यक्तियों के स्वास्थ्य जांच, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 35,680 लोगों को अपने घर के लिए 890.83 करोड़ रुपये की अनुदान राशि सुशासन का सशक्त उदाहरण बनी है। आपकी बेटी-हमारी बेटी योजना के तहत अंत्योदय परिवारों की 4.30 लाख लड़कियों को जन्म पर 21,000 रुपये प्रति बेटी के अनुसार राशि, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 51,894 रेहड़ी-फड़ी वालों को 10 हजार रुपये तक का ब्याज रहित ऋण तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गरीब परिवारों को 9.54 लाख मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन देकर नायाब सरकार ने सर्वाधिक उपेक्षित के सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

अटल सुशासन पर पथगामी भाजपा सरकार का बीते सालों में ग्रामीण विकास पर जोर रहा। पहली बार भाजपा सरकार ने हर साल का निश्चित बजट पंचायतों को देने का काम किया। पढ़ीलिखी पंचायत, 50 प्रतिशत महिला आरक्षण, पिछडा वर्ग एबी आरक्षण तथा निकाय संस्थानों में सीधा चुनाव जैसा ऐतिहासिक फैसला मील का पत्थर सिध्द हुआ है। हर जिले को जोडते राजमार्गों का नेटवर्क आर्थिक विकास की संभावनाओं को साकार रूप प्रदान करता है। 24 फसलों की एमएसपी पर सरकारी खरीद से किसानों का सशक्तिकरण हुआ है। प्रदेश में स्वास्थ्य आधारभूत ढांचा विकसित करने पर जोर दिया गया है। वर्ष 2014 में प्रदेश में एक मेडिकल विश्वविद्यालय था, आज 2 विश्वविद्यालय संचालित हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या वर्ष 2014 में 6 थी, जो आज बढ़कर 15 हो गई है और एमबीबीएस सीटों की संख्या 700 (वर्ष 2014 में) थी, जो आज 2185 तक पहुंच गई है। इसके अलावा मेडिकल कॉलेजों में पीजी सीटों की संख्या 289 (वर्ष 2014 में) थी, जो आज 1006 हो गई है। वर्ष 2014 में नागरिक अस्पतालों की संख्या 56 थी, जो आज 72 हो गए हैं। भाजपा सरकार ने प्रदेश में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने व रोजगारपरक शिक्षा के लिए कई पहलें की हैं। वर्ष 2014 में प्रदेश में 43 विश्वविद्यालय थे, जो आज बढ़कर 56 हो गए हैं। राजकीय महाविद्यालय 105 थे, जो आज 182, राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी संस्कृति विद्यालय 13 थे, जो आज 147 हो गए हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार ने 1419 प्राइमरी राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय खोले हैं। उन्होंने कहा कि हमने अपने कार्यकाल में 71 कॉलेज खोले हैं, जिनमें से 50 प्रतिशत केवल महिलाओं के हैं। आज हरियाणा का युवा अपने खेल प्रतिभा के दम पर न केवल देश में अपितु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहा है।

10 वर्ष पहले जिस सुशासन से व्यवस्था परिवर्तन कर प्रदेश के समावेशी विकास की जो परिकल्पना की गई थी, इसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। वर्ष 2014 में प्रदेश का निर्यात 68,032 करोड़ रुपये था, जो आज बढ़कर 2,45,453 करोड़ रुपये (वर्ष 2022-23) हुआ है। प्रदेश में 18,422 करोड़ रुपये का निवेश हुआ और 1,59,622 एमएसएमई उद्योग लगे हैं, जिससे 12.60 लाख लोगों को रोजगार मिला है। नारनौल में 700 मिलियन अमरीकी डॉलर लागत से 886 एकड़ क्षेत्र में एकीकृत मल्टी मॉडल लॉजिसटिक्स हब, आई.एम.टी खरखौदा में मारुति सुजुकी द्वारा 800 एकड़ तथा सुजुकी द्वारा 100 एकड भूमि पर उद्योग स्थापना स्वर्णिम भविष्य का परिचायक है।

सुशासन की बदौलत ही जनता ने तीसरी बार लगातार भाजपा सरकार को पूर्ण बहुमत दिया। जिसका अंदाजा किसी विपक्षी दल को भी नहीं था। दूसरी बार मुख्यमंत्री बने नायाब सैनी ने भी शपथ से पहले 25,000 युवाओं की नौकरी का परिणाम घोषित कराकर अपनी सोच जगजाहिर की है। सुशासन से प्रेरित नायाब सरकार में नया हरियाणा, नॉनस्टॉप हरियाणा के रूप में बढ रहा है। जहां खेतों से लेकर उद्योग का पहिया तेजी से घूम रहा है।

लेखक: मुख्यमंत्री के मीडिया समन्यवक हैं।

गणित प्रतियोगिता में रामानुज ने प्रथम व अब्दुल कलाम सदन ने प्राप्त किया दूसरा स्थान

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-कोसली रोड पर स्थित शरवती कोचिंग कैम्पस में भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया। संस्था के संचालक राजकुमार यादव ने बताया कि विद्यार्थियों में गणित विषय के प्रति रुचि पैदा करने के उद्देश्य से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ बढ़ चढ़कर भाग लिया। 'अब्दुल कलाम आजाद' सदन की तरफ से सचिन, वरुण,आकाश,उपेंद्र ने तथा 'रामानुजन सदन' से रोहित शर्मा, राधिका, प्रिंस चिकना एवं आयुष ने भाग लिया। 'स्वामी विवेकानंद' सदन से दीक्षा, नेहा, निशांत,हर्ष, तथा 'रानी लक्ष्मी बाई' सदन से तनीषा, हर्षित, निशांत, प्रिंस ने भाग लिया। सभी सदनों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा रही जिसमें 'रामानुजन सदन' ने प्रथम तथा 'अब्दुल कलाम आजाद' सदन ने दूसरा तथा 'रानी लक्ष्मी बाई' सदन ने तीसरा एवं 'स्वामी विवेकानंद' सदन ने चैथा स्थान हासिल किया। श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पारितोषिक वितरित किया गया। इस अवसर पर कर्ण सिंह सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

बदली होने पर एसडीएम को दी विदाई पार्टी

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। बदली होना सर्विस प्रक्रिया का हिस्सा है। कनीना एक अच्छा सब डिवीजन है जहां आमजन भाईचारे की भावना को अधिक महत्व देते हैं। ये बातें एसडीएम अमित कुमार ने अपनी बदली होने के बाद कार्यालय में आयोजित विदाई पार्टी में कही। उन्हें 4 माह पूर्व कनीना एसडीएम के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। विधानसभा चुनाव में उनके पास एआरओ का कार्यभार रहा। उनके प्रयासों से पहली बार अटेली हलके के नामांकन पत्र एसडीएम कार्यालय कनीना में लिए गए। 4 माह के अंतराल में उन्होंने लंबित करीब 200 केसों का निपटान किया। उनका स्थानांतरण समालखा होने पर विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल ने एसडीएम अमित कुमार को शॉल ओढाकर तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उनकी बदली के बाद नारनौल से बदली होकर आए कनीना में एसडीएम जितेंद्र सिंह कार्यभार ग्रहण करेगें। कानूगो उमेद सिंह जाखड, आरसर हितेंद्र सिंह, सतीश शर्मा, संजय कुमार, बीरेंद्र सिंह, संजीत कुमार, मंजीत कुमार, हरिकिशन, देवेंद्र सिंह सहित कार्यालय कर्मी उपस्थित थे।

दिसम्बर माह में कम स्वीकृति के चलते अधिकांश उपभोक्ताओं को तेल व बाजरे से रहना पड सकता है वंचित

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। हरियाणा सरकार द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली,पीडीएस के माध्यम से बीपीएल परिवारों को दिए जाने वाले राशन में दिसंबर महीने की एलोकेशन में भारीभरकम कटौती के चलते अधिकांश उपभोक्ताओं को तेल व बाजरे से वंचित रहना पड सकता है। विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बाजरा में 40 और सरसों के तेल में 24 फीसदी की कटौती की गई है जबकि कई ब्लॉकों में यह कटौती 50 फीसदी तक है।

प्रदेश में लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत हर माह किसी ना किसी खाद्यान्न की कम एलोकेशन जारी होने से वितरण प्रणाली डिपू होल्डरों के लिए मुसीबत बनकर कर रह गई है। इस बार चालू दिसम्बर माह के लिए बाजरे व सरसों-तेल की एलोकेशन बीपीएल परिवारों की मांग से बहुत ही कम जारी हुआ है जोकि डिपू होल्डरों के लिए सरदर्दी बन रहा है। आल राशन डिपो होल्डर वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा के प्रदेश महासचिव मुकेश कुमार ने बताया कि अक्तूबर माह के बाजरे की 40 फीसदी आपूर्ति डिपूओं पर नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह में हुई थी जिसका विभाग ने अतिरिक्त वितरण-समय देते हुए 12 नवम्बर तक सीएफ आक्शन से वितरण करवाया जबकि आनलाईन पोर्टल सिस्टम में 2 नवम्बर को प्रदेशभर में पीओएस मशीनों में अक्तूबर माह के रिसिव बाजरे का बकाया स्टॉक क्लोजिंग बैलेंस मानकर दिसम्बर माह के बाजरे की एलोकेशन में से बकाया स्टॉक काट कर एलोकेशन जारी कर दिया परन्तु अक्टूबर माह के शेष क्लोजिंग बैलेंस जो 12 नवम्बर तक सीएफ आक्शन से वितरित हो गया जिससे आनलाईन सिस्टम के तकनीकी कारणों से प्रदेशभर के डिपूओं पर दिसम्बर माह में बाजरे की एलोकेशन मांग से काफी कम है। एसोसिएशन ने यह मामला पूर्व में ही विभाग के ध्यानार्थ ला रखा था, दिसम्बर माह के बाजरे की एलोकेशन को संशोधित करके उपभोक्ताओं की मांग अनुसार बाजरे की एलोकेशन जारी करने की मांग की थी।

इसी प्रकार सरसों तेल की कम एलोकेशन वारे बताया कि दिसम्बर माह में सरसों-तेल की एलोकेशन बीपीएल परिवारों की मांग से 24 फीसदी कम है। दिसम्बर माह में प्रदेश के 52,00916 बीपीएल परिवारों को प्रति कार्ड 2 लीटर सरसों-तेल की आपूर्ति 20 रुपए प्रति लीटर की दर से करने हेतु 1,04,10,832 लीटर सरसों-तेल की जरूरत है जबकि विभाग की ओर से दिसम्बर माह के सरसों-तेल की एलोकेशन (कोटा) मात्र 67,48,722 लीटर ही जारी किया गया है तथा नवम्बर माह के अन्त में प्रदेश के डिपूओं पर 22,16,766 लीटर सरसों-तेल का क्लोजिंग बैलेंस बचा है जिससे प्रदेशभर में लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत दिसम्बर माह में एलोकेशन व क्लोजिंग बैलेंस जोड़कर कुल 81,94,066 लीटर सरसों-तेल ही उपलब्ध हुआ है। एलोकेशन में संशोधन नहीं होने पर 11,08,383 बीपीएल परिवारों को सरसों तेल से बंचित रहना पडेगा। एसोसिएशन ने कार्डधारकों के हितों को ध्यानार्थ रखते हुए सरकार व विभाग से सरसों-तेल व बाजरे की एलोकेशन में संशोधन कर प्रतिपूर्ति करने की मांग की है। जिससे प्रदेश में राशन वितरण व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रह सके।

इस बारे में खाद्य एवं पूर्ति विभाग के एएफएसओ ध्यान सिंह ने बताया कि तेल की कम एलोकेशन को बढवाने के लिए डिपो होल्डरों ने सामुहिक रूप से डिमांड की गई थी। डिपो होल्डरों की इस समस्या को लेकर उनकी ओर से विभाग के उच्च अधिकारियों को पत्र भेजकर अवगत करवा दिया गया है। बढी हुई एलोकेशन को मंजूरी मिलने के बाद जनवरी माह में वंचित उपभोक्ताओं को तेल वितरित किया जा सकता है।

डिपो होल्डरों ने कम एलोकेशन को संशोधित करने की मांग

विभाग के उच्च अधिकारियों को भेजा पत्र

संसोधित एलोकेशन को मंजूरी मिलने पर जनवरी माह में मिल सकता है वंचित उपभोक्ताओं को राशन : एएफएसओ

खेडी के भोलागिरी आश्रम में रखे दानपात्र को चोरों ने बनाया निशाना

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-दादरी मार्ग स्थित गांव खेडी तलवाना में बने बाबा भोलागिरी आश्रम में रखे शीशा बंद दानपात्र से अज्ञात चोर नकदी चोरी कर ले गए। इस घटना को लेकर श्रधालुओं में रोष है। इस बारे में बाबा भोलागिरी आश्रम कमेटी के सदस्य कप्तान रामौतार सिंह ने कनीना सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आश्रम में तीन महात्मा की मूर्ति शीशे में जडित हैं। जिसमें दानपात्र भी रखा हुआ था। 23 दिसंबर की मध्य रात्री शीशे तोडकर उसमें रखी नकदी निकाल ले गए। यह घटना आश्रम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सुबह करीब साढे 4 बजे श्रधालुओं का आनाजाना हुआ तो चोरी की घटना का खुलासा हुआ। इस घटना की जानकारी उन्होंने डायल 112 नम्बर पर दी। पुलिस ने मौके पर पंहुचकर हालातों का जायजा लिया ओर सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली। पुलिस ने दानपात्र से नकदी चोरी करने के आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

कार्यभार ग्रहण करते ही एसडीएम आए एक्शन मोड में

अधिकारियों से स्वच्छता बनाए रखने तथा समय पर कार्यालय पंहुचने के दिए निर्देश

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना में एसडीएम जितेंद्र अहलावत ने मंगलवार सुबह अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कार्यालय कर्मियों से औपचारिक बैठक की उसके बाद एक्शन मोड में आ गए।

उन्होंने नगरपालिका भवन के समीप बने रेस्ट हाउस की सफाई व्यवस्था देखी तथा कमी पाए जाने प्र कर्मचारियों से स्वच्छता बनाए रखने तथा समय पर कार्यालय पंहुचकर आमजन के कार्य करने के निर्देश दिए। किसी भी व्यक्ति को परेशान न होना पडे। उन्होंने अधिकारियों को रेस्ट हाउस में पौधारोपण करने तथा चारदीवारी एवं स्वच्छता बना रखने को कहा। इस मौके पर तहसीलदार संजीव नागर, नगरपालिका के सचिव समयपाल सिंह, कानूनगो उमेद सिंह जाखड, सुरेंद्र जोशी, दुर्गाप्रसाद गोयल सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

अब पाकिस्तान के जहाजों की बांग्लादेश में नहीं होगी जांच, भारत की बढ़ी टेंशन

–हथियारों की सप्लाई, मादक पदार्थों की तस्करी बढ़ने का है खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बढ़ते रिश्तों ने भारत को चिंता में डाल द दिया है। भारत चटगांव बंदरगाह को लेकर चिंतित है। यहां आने वाले पाकिस्तान के मालवाहक जहाजों की फिजिकल जांच का जो नियम था, उसे बांग्लादेश ने खत्म कर दिया है। अब पाकिस्तान से आए माल जांच नहीं होगी। ऐसे में पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई हथियारों की सप्लाई, मादक पदार्थों की तस्करी जैसे कारनामों को अंजाम दे सकती है।

भारतीय एजेंसियों को संदेह है कि यहां इन चीजों को उतारे जाने के बाद बांग्लादेश की सीमा से लगते पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में भेजा जा सकता है। पहले भी ऐसी कोशिशें हुई हैं, ऐसे में यह चिंता का कारण है। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के दौर में पाकिस्तान से आने वाले जहाजों की फिजिकल जांच होती थी। इसके अलावा भारत को चटगांव और मोंगला पोर्ट्स पर सीधा एक्सेस मिलता है। अब उसे भी खत्म करने पर बांग्लादेश विचार कर रहा है। 2004 में ऐसा ही हुआ था, जब चटगांव बंदरगाह पर 1500 डिब्बे बरामद किए गए थे, जिनमें चीनी हथियार मिले थे। तब एजेंसियों ने संदेह जताया था कि ये डिब्बे शायद आईएसआई ने रखवाए हैं और उन्हें पूर्वोत्तर भारत में सप्लाई किया जाना था। पहले भी आईएसआई उल्फा जैसे आतंकी संगठनों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ साजिश करती रही है, लेकिन बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के दौर में उसके लिए यह उतना आसान नहीं था। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पाकिस्तान के साथ दोस्ती बढ़ाने में जुटी है। यहां तक कि यूनुस पाकिस्तान जाने का मन बना रहे हैं और उनके विदेश मंत्री को बांग्लादेश आमंत्रित किया है। पाकिस्तान की ओर से 1971 में की गई ज्यादतियों को भी भुलाने की बातें की जा रही हैं। यही नहीं भारत के पीएम नरेंद्र मोदी की उस पोस्ट तक पर कुछ नेताओं ने ऐतराज जताया था, जिसमें उन्होंने 1971 की जंग के लिए भारतीय सेना की तारीफ की थी।

खास बात यह है कि 1971 में बांग्लादेश बनने के बाद से पाकिस्तान के साथ उसका कारोबार नाममात्र का ही रहा है। इसकी वजह है कि पाकिस्तान से वहां सीधे जहाजों को आने की अनुमति नहीं थी, जो अब मिल गई है। नवंबर में पहली बार करांची से रवाना हुआ मालवाहक जहाज दुबई होते हुए बांग्लादेश पहुंचा। इसके बाद अब एक और जहाज बीते सप्ताह यहां पहुंचा है। हाल ही में मुस्लिम देशों की समिट में मोहम्मद यूनुस और शहबाज शरीफ की मुलाकात हुई थी। इस बैठक में शहबाज ने बांग्लादेश को अपना भाई बताया था तो वहीं यूनुस ने 1971 के खूनी इतिहास को भुलाने की बात कही थी। दोनों के बीच अगस्त से अब तक दो मुलाकातें हो चुकी हैं।

बुढाना कस्बे में पवित्र स्थल में तोड़फोड़, पुलिस जांच में जुटी

मुजफ्फरनगर । उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में मौजूद एक पुराने धार्मिक स्थल को वहां के जमीन मालिकों ने मिलकर कथित तौर पर ध्वस्त किया। इसकी शिकायत के बाद पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि बुढाना कस्बे के छोटा बाजार के रहने वाले गुलजार उद्दीन, उसके भाई अघान और अमीर जिया सहित 10-15 अज्ञात लोगों पर आरोप है कि उन्होंने एक साधु से जुड़ी हुए पवित्र स्थल में तोड़फोड़ की है, जिसकी शिकायत मिलने पर उनके खिलाफ केस दर्ज हुआ है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जमीन के मालिकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी गई शिकायत में बुढाना निवासी पवनेश कुमार ने बताया कि बुढ़ाना-कांधला रोड पर सब्जी मंडी के पास स्थित एक संत को समर्पित मजार में तोड़फोड़ की गई। बुढाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

पटना में पिछले 2 दिनों में करीब 2.59 करोड़ की ठगी, लड़की ने फोन कर लगाया चूना

पटना । पटना में इन दिनों साइबर ठगी के मामले बढ़े हैं। पिछले 2 दिनों में 40 से ज्यादा मामले सामने आए हैं। ठगों ने करीब 2.59 करोड़ की ठगी कर ली है। सबसे अधिक ट्रेडिंग के नाम पर ठगी हुई है। एजी कॉलोनी निवासी कृष्ण मोहन ओझा को एक लड़की ने फोन कर उसने दोस्ती कर ली। इस दौरान लड़की ने भरोसे में लेकर ट्रेडिंग में निवेश करा दिया। एक दिन बात करते-करते कृष्ण मोहन का मोबाइल लेकर गायब हो गई। सब कुछ फोन में ही था। कम लागत में ज्यादा फॉफिट के चक्कर में 33.50 लाख रुपए गंवा दिए। इसतरह वरुण को भी एक लड़की ने फोन पर ट्रेडिंग में निवेश करने का झांसा दिया। वरूण लड़की के बातों में आकर बैंक से लोन लेकर 22.68 लाख रुपए निवेश किया। ठगी का एहसास होने पर साइबर थाने में मामला दर्ज कराया। वहीं सिपारा निवासी पुरुषोत्तम कुमार ने यूट्यूब पर वीडियो देखकर एक नंबर पर फोन किया। कॉल करने पर एक लड़की ने फोन रिसीव किया। लड़की की बातों में आकर पुरुषोत्तम ने क्रिप्टो करेंसी खरीदने में 18 लाख रुपए लगा दिया। जिस साइट से क्रिप्टो करेंसी खरीदा था, अब वहां नहीं खुल रहा है।

कोलकाता डॉक्टर मर्डर केस : जहां मिला था महिला डॉक्टर का शव, वहां नहीं मिले संघर्ष के निशान

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर के मामले में नया खुलासा हुआ है। वारदात के बाद घटनास्थल की फॉरेंसिक जांच की गई थी। इस जांच की रिपोर्ट सीबीआई को सौंपी गई है। रिपोर्ट में जो जानकारी दी गई है, वह हैरान करने वाली है। दरअसल, रिपोर्ट में कहा गया है कि अस्पताल के जिस सेमिनार हॉल में ट्रेनी डॉक्टर की लाश मिली थी, वहां स्ट्रगल के कोई निशान नहीं मिले हैं। यानी ऐसे कोई सबूत नहीं हैं कि घटनास्थल पर आरोपी और ट्रेनी डॉक्टर के बीच कोई संघर्ष हुआ है। सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी दिल्ली के विशेषज्ञों ने 14 अगस्त को आरजी कर अस्पताल की जांच कर सैंपल एकट्ठे किए। 11 सितंबर को सीबीआई के सामने इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। फोरेंसिक रिपोर्ट में सीएफएसएल ने कहा है कि सेमिनार हॉल में लकड़ी के स्टेज और गद्दे के अलावा आसपास संघर्ष को कई सबूत नहीं मिले हैं।

तीन साल की मासूम 23 घंटे से 700 फीट गहरे बोरवेल में फंसी

–काफी कोशिश के बाद अब बच्ची को हुक से खींचने की तैयारी

कोटपूतली। राजस्थान के कोटपूतली में तीन साल की बच्ची पिछले 23 घंटे से 700 फीट गहरे बोरवेल में 150 फीट पर फंसी है। उसे बाहर निकालने के लिए रात भर किए गए लेकिन सफलता नहीं मिली। बच्ची के लिए बोरवेल में ऑक्सीजन भेजा जा रहा है, लेकिन बोरवेल इतना संकरा है कि खाने पीने के लिए कुछ नहीं भेजा जा सकता है। रात को सीसीटीवी में बच्ची चेतना के सिर का मूवमेंट नजर आया था, लेकिन गर्दन के नीचे तक मिट्टी में फंसे होने से शरीर मूव नहीं कर पा रहा है। बोरवेल के आसपास 150 फीट खोदना आसान नहीं है। इस ऑपरेशन में अभी एक सप्ताह का समय लग सकता है, इसलिए अब बच्ची को हुक से खींचने की तैयारी चल रही है। जिला प्रशासन ने चेतना के माता-पिता और दादा से लिखित में कपड़े में हुक लगाकर उसे ऊपर खींचने की इजाजत मांगी है ताकि अगर इस प्रक्रिया में चेतना को कोई चोट पहुंचती है तो वह प्रशासन को जिम्मेदार नहीं ठहराएंगे। एनडीआरएफ के सीनियर कमांडेंट ने बताया कि रात एक बजे हमने रिंग बनाकर अंब्रेला टेक्निक से बच्ची को निकालने का प्रयास किया लेकिन रिंग कपड़े में फंस गई और बच्ची ठीक से पकड़ नहीं पाई। मंगलवार सुबह 8 बजे फिर से रिंग डाली गई, लेकिन रिंग ग्रिप बच्ची के शरीर पर जगह कम होने की वजह से वहां नहीं पहुंच पा रहा है। इन प्रयासों के असफल होने पर हुक से निकालने का ही विकल्प बचा है जिसके लिए जिला प्रशासन को फैसला लेना है। मासूम के पिता भूपेंद्र ने बड्याली ढाणी में अपने घर के बाहर बोरवेल खुदवाया था। 700 फीट तक खोदने पर भी पानी नहीं निकला तो उसे ढंकने के बजाय खुला छोड़ दिया। सोमवार करीब डेढ़ बजे के आसपास उनकी दोनों बेटियां तीन साल की चेतना और 8 साल की काव्या बोरवेल के पास खेल रही थीं। इसी बीच चेतना का पैर बोरवेल के पास फिसल गया और वह उसमें फंस गईं। बता दें 15 दिन पहले राजस्थान के दौसा में ही आर्यन के बोरवेल में गिरने से मौत के बाद राज्य सरकार ने बोरवेल बंद करने के लिए एडवाइजरी जारी की थी, इसके बावजूद ये बोरवेल खुला था और जिसने ये बोरवेल खुदवाया, उसकी ही बेटी इसमें फंस गई। रेस्क्यू टीमें बच्ची को बचाने का प्रयास कर रही हैं। लोग बच्ची से सही सलामत बाहर आने के लिए दुआ मांग रहे हैं।

राजौरी में फैली रहस्यमय बीमारी से अब तक नौ की मौत, विशेषज्ञों की टीमें कर रही जांच

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के बददल गांव में रहस्यमय बीमारी से अब तक नौ लोगों की जान जा चुकी है। इसको देखते हुए पीजीआई चंडीगढ़, राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के विशेषज्ञों की टीमें राजौरी पहुंची और हालात का जायजा लिया। भोजन और पानी के सेम्पल लिए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक अभी तक किसी तरह का निष्कर्ष नहीं निकाल सका है। इस जांच के बाद एक और मौत हो गई। सोमवार को जिस महिला की मौत हुई, उसकी पहचान राजिम अख्तर के रूप में हुई है, वह पहले ही अपने तीन नाबालिग बच्चों को इस बीमारी से खो चुकी है। इस गांव में सामने आ रहे इन मामलों से आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई है। ताजा मामला एक महिला की मौत से जुड़ा है, जिसके तीन बच्चे पहले ही इस बीमारी के चलते काल के गाल में समा चुके हैं। जब यह मामले सामने आने लगे तो काफी गहन जांच भी की गई, लेकिन अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सका है। सूत्रों के मुताबिक महिला 12 दिसंबर को अपने बच्चों को लेकर राजौरी के सरकारी मेडिकल कॉलेज गई थीं, लेकिन 19 दिसंबर को उनकी मौत हो गई और वह घर लौट आई थी। सोमवार को उस महिला की तबीयत भी बिगड़ी और उसे जीएमसी राजौरी लाया गया, जहां उसकी भी मौत हो गई। पिछले एक पखवाड़े में रहस्यमय बीमारी के कारण यह नौवीं मौत है। इनमें एक परिवार के सात और दूसरे परिवार के दो लोग शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू और जल शक्ति मंत्री जावेद राणा ने राजौरी जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा करने के लिए क्षेत्र का दौरा किया है और अधिकारियों को निर्देश दिए।

भारत के राफेल को टक्कर देने चीन देगा पाकिस्तान को जे-35 फाइटर जेट

*** हवा और जमीन दोनों से हमला करने में सक्षम, दोनों देशों में हुई डील**

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और चीन की दोस्ती जगजाहिर है। यह दोनों ही देश भारत को फलता फूलता ओर आगे बढ़ता नहीं देख सकते हैं। इसके चलते आए दिन अपनी नापाक हरकतें करते रहते हैं। चीन अब पाकिस्तान को अत्याधुनिक जे 35 फाइटर प्लेन देने की तैयारी कर रहा है। यह फाइटर जैट बहुत ही अत्याधुनिक हैं और इसे सीधे भारत के राफेल से चुनौती मिल रही है।

वैसे तो चीन समय समय पर पाकिस्तान को हथियार देता रहता हैं, लेकिन यह डील अलग मानी जा रही कि क्योंकि अभी तक चीन ने अपनी पांचवीं पीढ़ी के किसी भी लड़ाकू विमान किसी को नहीं दिया है यानी किसी भी दूसरे देश को अभी तक जे-35 जेट नहीं मिला है। ऐसे में अगर पाकिस्तान के साथ यह डील फाइनल हो जाती है तो पाकिस्तान पहला देश बन जाएगा जिसे चीन की पांचवीं पीढ़ी का फाइटर प्लेन मिलेगा।

पाकिस्तानी मीडिया में तो खबर है कि इस डील को मंजूरी दी जा चुकी है और दो साल के अंदर सभी विमान पाकिस्तान पहुंच जाएंगे। माना जा रहा है कि इस समय पाकिस्तान के पास जो अमेरिका के एफ-16 विमान हैं और फ्रांस के मिराज हैं। चीन के यह पांचवीं पीढ़ी वाले विमान से उनको रिप्लेस किया जाएगा। जानकार कह रहे हैं कि चीन का जे-35 जेट पाकिस्तान की एयरफोर्स को काफी मजबूती देगा।

बता दें कि जे -35 ए मध्यम आकार का मल्टीरोल स्टील्थ फाइटर जेट है। इसमें ट्विन इंजन है। इसकी डिजाइन चिकनी और पतली है, यह हवा और जमीन दोनों से ही हमला करने में माहिर है लेकिन इसमें अमेरिका के एफ-35 की तरह शॉर्ट टेक ऑफ और वर्टिकल लैंडिंग की सुविधा नहीं है। अगर इसकी तुलना भारत के राफेल से की जाए तो चीनी एयरक्राफ्ट के पास युद्ध का अनुभव नहीं है जबकि राफेल दुनिया के कई बड़े ऑपरेशन में अपनी क्षमता दिखा चुका है। इसके ऊपर जे-35 पांचवीं पीढ़ी का विमान है तो वहीं राफेल 4.5 पीढ़ी का।

भागवत के बयान पर फिर नाराज हुए जगद्गुरु रामभद्राचार्य, वे हिंदू धर्म के प्रमुख नहीं

मुंबई (एजेंसी)। संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर देश का संत समाज उबल रहा है। इस बीच जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने फिर संघ प्रमुख भागवत के बयान पर अपना विरोध दर्ज कराया है। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा, वह किसी संगठन के प्रमुख हो सकते हैं, लेकिन वे हिंदू धर्म के प्रमुख नहीं हैं कि उनकी बात हम मानते रहें। वह हमारे अनुशासक रहे हैं, हम उनके अनुसार नहीं चल सकते। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा, ÷मैं बीस बार कह रहा हूं कि हिन्दू धर्म की व्यवस्था के लिए वे ठेकेदार नहीं हैं। हिंदू धर्म की व्यवस्था हिन्दू धर्म के आचार्यों के हाथ में है। संपूर्ण भारत के भी वे प्रतिनिधि नहीं हैं।÷इस मौके पर रामभद्राचार्य ने कहा कि जो हमारी ऐतिहासिक वस्तुएं हैं, वह हमें मिलनी ही चाहिए और हमें लेनी भी चाहिए, चाहे जैसे मिले। भले इसके लिए साम, दाम, दंड, भेद क्यों न अपनाना पड़े। रामभद्राचार्य के अलावा और कई संतों ने भी भागवत के बयान की आलोचना की है। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने भी भागवत के उस बयान पर उनकी आलोचना की है जिसमें उन्होंने कहा था कि हर जगह मंदिर ढूंढ़ने की इजाजत नहीं दी सकती।

बता दें कि भागवत ने पुणे में कहा , ÷धर्म प्राचीन है और धर्म की पहचान से ही राम मंदिर बनाया गया है। यह सही है, लेकिन सिर्फ मंदिर बन जाने से कोई हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। हिंदू धर्म सनातन धर्म है और इस सनातन और सनातन धर्म के आचार्य सेवाधर्म का पालन करते हैं। यह मानव धर्म की तरह सेवा धर्म है। सेवा करते समय हमेशा चर्चा से दूर रहना हमारा स्वभाव है।÷

उन्होंने कहा, ÷जो लोग बिना दिखावे के लगातार सेवा करते हैं, वे सेवा की इच्छा रखते हैं। सेवा धर्म का पालन करते हुए हमें अतिवादी नहीं होना चाहिए और देश की परिस्थिति के अनुसार मध्यम मार्ग अपनाना चाहिए। मानव धर्म ब्रह्मांड का धर्म है और इसे सेवा के माध्यम से प्रकट किया जाना चाहिए। हम विश्व शांति की घोषणा करते हैं, लेकिन अन्य जगहों पर अल्पसंख्यकों की क्या स्थिति है? इस पर ध्यान देना जरूरी है।

खड़गे और राहुल गांधी ने एनएचआरसी के अध्यक्ष और सदस्यों के चयन पर असहमति जाहिर की

नई दिल्ली (ईएमएस) । राज्यसभा और लोकसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष और सदस्यों के चयन पर एक असहमति जाहिर की है, इसमें कहा गया है कि प्रक्रिया मौलिक रूप से त्रुटिपूर्ण थी। कांग्रेस के दोनों नेताओं ने कहा कि यह प्रस्थान निष्पक्षता और निष्पक्षता के सिद्धांतों को कमजोर करता है, जो चयन समिति की विश्वसनीयता के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली दो अतिरिक्त समिति ने विचार-विमर्श को बढ़ावा देने और सामूहिक निर्णय सुनिश्चित करने के बजाय बैठक के दौरान उठाए गए वैध चिंताओं और दृष्टिकोणों की उपेक्षा करते हुए, नामों को अंतिम रूप देने के लिए अपने संख्यात्मक बहुमत पर भरोसा किया। उन्होंने कहा कि एनएचआरसी एक महत्वपूर्ण वैधानिक निकाय है, इसका काम सभी नागरिकों, विशेषकर समाज के उत्पीड़ित और हाशिए रहने वाले वर्गों के लोगों के मौलिक मानवाधिकारों की रक्षा करना है। खरगे और राहुल गांधी ने योग्यता और आवश्यकता दोनों का हवाला देकर एनएचआरसी प्रमुख के पद के लिए न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) रोहिंटन फली नरीमन, जो इस महीने भारत की धर्मनिरपेक्ष नींव के क्षरण की चेतावनी के लिए खबरों में थे, और कुट्टियिल मैथ्यू जोसेफ के नाम प्रस्तावित किए। अल्पसंख्यक पारसी समुदाय के प्रतिष्ठित न्यायविद् नरीमन अपनी बौद्धिक गहराई और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके शामिल होने से भारत के बहुलवादी समाज का प्रतिनिधित्व करने के लिए एनएचआरसी के समर्पण के बारे में एक मजबूत संदेश जाएगा।

कश्मीर की डल झील जमी, उत्तराखंड के पहाड़ों ने ओढ़ी बर्फ की चादर

–174 स्टेट और 3 नेशनल हाईवे बंद, एक हजार से ज्यादा गाड़ियां फंसी

शिरडी (एजेंसी)। शिमला,(ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश की पहाड़ियां बर्फ से ढंक गई हैं। मनाली, कुल्लू, रोहतांग और कई इलाकों में भारी बर्फबारी ने संकट को तो बढ़ाया ही है साथ पर्यटकों की भीड़ बढ़ गई है। इस बर्फबारी से मनाली-केलांग मार्ग पर वाहनों की आवाजाही अस्थाई रूप से रोकनी पड़ी। अटल टनल के रास्ते पर तो करीब एक हजार गाड़ियां फंसी हुई हैं। प्रशासन यहां रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के चलते पिछले 24 घंटे में 174 स्टेट और 3 नेशनल हाईवे बंद किए गए हैं। बिजली और पानी का भी कुछ ज़िलों से कनेक्शन काटा गया है जबकि 6 ज़िलों में 683 जगह बिजली बाधित है। बदले मौसम और बर्फ़बारी के कारण जन सेवाएं बाधित है। आपदा सूचना विभाग ने जिले की रिपोर्ट जारी की है। वहीं, सैलानियों के लिए भी एडवाइज़री जारी की गई है।

हिमाचल प्रदेश जैसे हालात उत्तराखंड में भी पैदा हो रहे हैं। राज्य के कई ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई है। अभी यहां बर्फबारी कम है। फिर भी औली, उत्तरकाशी, चकराता, बद्रीनाथ, केदारनाथ जैसे ऊंचाई वाले इलाके सफेद चादर से ढंक गए हैं। केदारनाथ में इस सीजन की दूसरी बर्फबारी है। बर्फबारी की वजह से वहां चल रहा पुनर्निर्माण कार्य भी प्रभावित हुआ है। केदारनाथ धाम में बर्फबारी जारी है। धाम में अभी तक एक फ़ीट से ज्यादा बर्फ गिर चुकी है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है कि क्रिसमस और न्यू ईयर ठंड बढ़ सकती है।

उत्तराखंड का पर्यटन स्थल और स्की रिजॉर्ट औली फिर बर्फ के आगोश में है। औली की वादियां में तस्वीरों में देख सकते हैं किस तरह से पेड़ पौधे, मकान, रास्ते सब कुछ यहां बर्फ की चादर से ढंक चुके हैं, जिसके बाद औली का नजारा अपने आप में बहुत ही खूबसूरत दिख रहा है, जिसका इंतजार पर्यटकों को और स्थानीय होटल व्यवसाईयों को लंबे समय से था वह अब जाकर यहां पर देखने को मिल रहा है। आधा फीट बर्फ की मोटी चादर के नीचे औली की वादियां हर तरफ सफेद दिखाई दे रही हैं। वहीं 25 दिसंबर यानी बुधवार को क्रिसमस है और इस समय वीकेंड के चलते बड़ी संख्या में पर्यटक औली पहुंच रहे हैं। ऐसे में उनके लिए यह बर्फबारी तोहफे से कम नहीं है क्योंकि यहां की वादियां बर्फ से लग चुकी हैं, ऐसे में यहां पहुंचे पर्यटकों को मन मांगी मुराद पूरी हो चुकी है।

वहीं जम्मू-कश्मीर में भी मौसम का रूख काफी हद तक बदल गया है। वहां भी ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो रही है। पीर पंजाल और सोनमर्ग में बर्फबारी हुई। कई अन्य इलाकों में भी मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। इन दिनों कश्मीर का तापमान लगातार गिर रहा है। श्रीनगर में रविवार रात माइनस 3.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। मशहूर डल झील गिरते पारे की वजह से जम गई। वहीं पहलगाम में माइनस 5 डिग्री तापमान रहा।

2034 से पहले लागू नहीं हो सकेगी एक देश एक चुनाव की नीति

–सिर्फ ईवीएम खरीदी के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपए होंगे खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बीते 75 साल में लोकसभा और विधानसभाओं के 400 से भी ज्यादा चुनाव हो चुके हैं। ये चुनाव कमोबेश स्वतंत्र और निष्पक्ष हुए हैं और किसी भी बाहरी एजेंसी को देश के निर्वाचन आयोग पर उंगली उठाने का कोई मौका नहीं दिया है। इसके बावजूद ऐसे कई तथ्य हैं, जो देश में अलग-अलग चुनाव करवाने को लेकर सवाल उठाते हैं। ऐसे में यह सवाल है कि क्या देश में सभी चुनाव एकसाथ नहीं हो सकते?

इस सवाल का जवाब तलाशने के लिए सितंबर 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी की रिपोर्ट में कैबिनेट द्वारा स्वीकार कर इस संबंध में दो बिल लोकसभा में पेश किए गए। पहला है संविधान (129वां संशोधन) बिल। दूसरा है केंद्र शासित कानून (संशोधन) बिल 2024, जो पुडूचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव करवाने से संबंधित है। इन बिलों पर विस्तृत चर्चा करने और सर्वसम्मति बनाने के लिए उन्हें अब संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया गया है। अगर औपचारिकताएं पूरी भी हो जाती हैं, तब भी यह व्यवस्था 2034 से पहले अमल में नहीं लाई जा सकेगी।

निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक 2034 में अगर एक देश एक चुनाव की नीति लागू होती है तो सिर्फ ईवीएम की खरीदी के लिए ही 1.5 लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह राशि कितनी ज्यादा है, इसका अंदाजा केवल इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अनुमानतः एक लाख करोड़ रुपए खर्च हुए थे। रामनाथ कोविंद कमेटी ने बताया कि एकसाथ चुनाव कराने के लिए सेंट्रल सिक्योरिटी फोर्सेज में 50 फीसदी बढ़ोतरी करनी पड़ेगी। 2024 में सिक्योरिटी फोर्स के करीब 3.40 लाख कर्मचारियों और अधिकारियों की चुनावों में ड्यूटी लगी थी।

शिरडी संस्थान को साईं भक्तों से मिला 819 करोड़ का चढ़ावा

शिरडी (एजेंसी)। सालभर शिरडी में साईं बाबा के दर्शन के लिए साईं भक्तों का बड़ा मेला देखने को मिलता है। साईं भक्त साईं दिल खोलकर साईं के खजाने में सोना, चांदी, हीरे, सिक्के, पैसे, सामान दान करते हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में साईं संस्थान को विभिन्न माध्यमों से 819 करोड़ रुपये की आय हुई है और संस्थान के पास 2016 करोड़ रुपये जमा हो गया है। पिछले साल की तुलना में 419 करोड़ रुपये बढ़ गया है। बताया गया है कि प्रतिदिन 50 हजार से अधिक साईं भक्त साईं दर्शन के लिए शिरडी आते हैं। संस्थान के माध्यम से इन साईं भक्तों को चाय, पानी, भोजन प्रसाद, लड्डू प्रसाद, आवास उपलब्ध कराया जाता है। इसलिए शिरडी आने वाले साईं भक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। देखा गया है कि न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था इसके इर्द-गिर्द घूमती है, बल्कि संस्थान की आय भी काफी बढ़ जाती है। साई संस्थान की ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक, 31 मार्च 2024 तक संस्थान के राष्ट्रीयकृत बैंक में 2916 करोड़ की राशि जमा के रूप में निवेश की जा चुकी है। अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक वित्तीय वर्ष के दौरान साईं भक्तों ने साईं की दान पेटी में 176 करोड़ रुपये का दान दिया है। 121 करोड़ का सामान्य दान मिला है। साईं के खजाने में 11 करोड़ का सोना, चांदी और मूल्यवान पत्थर मिले हैं। अन्न दान निधि के रूप में 96 करोड़, अस्पताल के लिए 54 करोड़, प्रसादालय के लिए 46 करोड़, भवन रखरखाव और मरम्मत के लिए 32 करोड़, वस्तु मद में 8 करोड़, अन्य कुल 819 करोड़ की आय साईं संस्थान को प्राप्त हुई है। इसमें 2916 करोड़ रुपये के निवेश पर 200 करोड़ रुपये का ब्याज भी शामिल है। कुल मिलाकर साईं भक्तों की उदारता के कारण संस्थान शिरडी आने वाले साईं भक्तों को विभिन्न सुविधाएं प्रदान करने में सक्षम है।

साईं भक्तों की सुविधाओं पर 489 करोड़ खर्च

शिरडी नगर परिषद को साईं की आय से कुछ राशि साईं भक्तों की सुविधा के कार्यों के लिए दी गई है। साथ ही नियोजित शैक्षणिक संकुल परियोजना में भवनों के फर्नीचर का कार्य प्रगति पर है। संस्थान के पास 24 भूखंड हैं। संस्थान के कर्मचारियों के लिए वाहन पार्किंग बनाई जा रही है। 20 करोड़ रूपये की लागत से लड्डू एवं बूंदी प्रसंस्करण की इकाइयां स्थापित की जाएंगी। नए गोदाम भवन के लिए 11 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। लेखा विभाग स्ट्रांगरूम का निर्माण, जल आपूर्ति, कुछ भवनों और कैंटीन का नवीनीकरण, कपड़े धोने की इकाई का निर्माण, साईनाथ अस्पताल के लिए केस पेपर भवन का निर्माण सहित 16 परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक संस्थान ने अब तक कुल आय में से 489 करोड़ रुपये साईं भक्तों की सेवाओं पर खर्च किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प की पनामा नहर को वापस लेने की धमकी : चीन का प्रभाव बढ़ने का आरोप लगाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। मुलिनो ने कहा कि पनामा नहर के कैरेबियन और प्रशांत महासागर की तरफ खुलने वाले दो पोर्ट के गेट्स का मैनेजमेंट का सीके हचिसन होल्डिंग्स की एक सहायक कंपनी करती है। यह कंपनी हांगकांग में स्थित है, इस पर चीन का कोई नियंत्रण नहीं है। मुलिनो ने आगे कहा कि पनामा नहर और उसके आस-पास की एक-एक इंच जमीन पनामा की है और ये आगे भी पनामा की ही रहेगी। मुलिनों के इस बयान का जवाब देते हुए ट्रम्प ने कहा कि हम इस बारे में आगे सोचेंगे। अमेरिका ने पनामा नहर का निर्माण 1914 में पूरा कर लिया था। इसे अमेरिकी इंजीनियरिंग का सर्वोत्तम उदाहरण माना जाता है। इसे बनाने के दौरान लगभग 38 हजार अमेरिकी मजदूरों की मौत हुई थी। इसे बनाने में उस समय 37.5 करोड़ डॉलर का खर्च हुए थे। अगले कई सालों तक इस नहर पर अमेरिका का कंट्रोल था। 1977 में अमेरिका और पनामा के बीच हुए समझौते के बाद इस नहर को पनामा को सौंपने की शुरुआत हुई। 1999 में इसे पूरी तरह पनामा को सौंप दिया गया था।

रूस के तेल डिपो पर यूक्रेन का हमला

मास्को, एजेंसी। यूक्रेन ने रूस के एक अहम तेल डिपो पर रविवार को ड्रोन हमला किया। रूस की ऊर्जा श्रृंखला को ध्वस्त करने के प्रयासों के तहत यूक्रेन की तरफ से किया गया यह हफ्ते भर के भीतर दूसरा हमला है। दक्षिणी ओर्योल के गवर्नर एंड्रेय क्लाइचकोव ने टेलीग्राम संदेश में बताया कि स्टैलनोय कॉन तेल टर्मिनल में यूक्रेन के ड्रोन हमले के बाद आग धधक उठी। उन्होंने बताया कि यूक्रेन की तरफ से क्षेत्र में भेजे 20 ड्रोन को पता लगाकर नष्ट कर दिया गया। तेल डिपो में लगी आग को भी थोड़ी देर बाद बुझा दिया गया। एक मीडिया प्रतिष्ठान की तरफ से साझा किए गए हमले के वीडियो में तेल डिपो से आग की ऊंची-ऊंची लपटें निकलती दिखाई दे रही हैं।

खैबर पख्तूनख्वा में 11 संदिग्ध आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। सुरक्षा बलों ने रविवार को अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अभियानों में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के एक कमांडर सहित 11 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया। आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद खैबर जिले की अशांत तिराह घाटी और लक्की मरवत जिले में ये अभियान संचालित किए गए। आतंकवादियों का एक समूह पीर मेला के रास्ते तिराह घाटी से आगे बढ़ रहा था, तभी सुरक्षा बलों ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद हुई गोलीबारी में 10 आतंकवादी मारे गए जबकि चार अन्य घायल हो गए। दूसरी घटना में लक्की मरवत जिले में पुलिस और आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) ने शागई क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान चलाया। गोलीबारी के दौरान एक आतंकवादी मारा गया। सूत्रों ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों में एक कमांडर भी शामिल है जो समूह का नेतृत्व कर रहा था।

खैबर-पख्तूनख्वा सरकार की घोषणा, इन प्रमाण पत्रों के लिए पोलियो टीकाकरण एक शर्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। खैबर-पख्तूनख्वा (के-पी) सरकार ने एक नई नीति की घोषणा की है, जिसमें जन्म, मृत्यु और विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए पोलियो टीकाकरण को अनिवार्य कर दिया गया है। इस कदम का उद्देश्य पोलियो उन्मूलन के लिए प्रांत में चल रहे प्रयासों को मजबूत करना है। इस नीति के तहत, अगर कोई परिवार अपने बच्चों को पोलियो की वैक्सीन देने से मना करता है, तो उन्हें इन जरूरी दस्तावेजों तक पहुंच नहीं मिलेगी। यह नीति खासतौर पर पेशावर और उसके आसपास के गांवों में लागू होगी, ताकि पोलियो टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सके और कमजोर समुदायों में पोलियो के फैलने का खतरा कम किया जा सके। पेशावर के डिप्टी कमिश्नर द्वारा जारी एक अधिसूचना में यह बताया गया है कि स्वास्थ्य अधिकारियों को इस नीति का सख्ती से पालन करना होगा। इसमें यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर कोई इस आदेश का उल्लंघन करेगा, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिकी मॉल में घुसा ट्रक, 5 घायल, चालक को पुलिस ने किया ढेर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में पुलिस ने उससे भागकर माल में घुसे पिकअप ट्रक चालक को मार गिराया। इस दौरान पांच लोग घायल हो गए। पुलिस से भाग रहा यह पिकअप ट्रक चालक टेक्सास में जेसीपीनी स्टोर के दरवाजे से तेजी से गुजरा और एक भरे मॉल में घुस गया। टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी के सार्जेंट ब्रायन वाशको के मुताबिक, ट्रक शनिवार शाम करीब 5.30 बजे किलीन में डिपार्टमेंट स्टोर से टकराया। यह स्टोर राज्य की राजधानी ऑस्टिन से लगभग 109 किलोमीटर उत्तर में है और उसकी इमारत में घुसता चला गया। इससे लोग चोटिल हो गए। आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं ने मॉल से चार घायलों को इलाके के अस्पतालों में पहुंचाया और एक अन्य को अलग से अस्पताल ले जाया गया।

ट्रम्प ने श्रीराम कृष्णन को बनाया एआई पॉलिसी एडवाइजर

माइक्रोसॉफ्ट से की करियर की शुरुआत, कई कंपनियों में संभाल चुके हैं अहम जिम्मेदारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को भारतीय मूल के बिजनेसमैन और वेंचर कैपिटलिस्ट श्रीराम कृष्णन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर व्हाइट हाउस का सीनियर पॉलिसी एडवाइजर नियुक्त किया है। ट्रम्प ने इस नियुक्ति को लेकर एक्स पर लिखा- डेविड सैक्स के साथ मिलकर काम करते हुए श्रीराम कृष्णन एआई में अमेरिका को आगे बढ़ाने पर फोकस करेंगे। इसके साथ ही वो साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर राष्ट्रपति की एडवाइजरी काउंसिल के साथ काम करते हुए सरकार की एआई पॉलिसी मेकिंग में मदद करेंगे।

कृष्णन ने इसे लेकर कहा- मैं अपने देश की सेवा करने और डेविड सैक्स के साथ मिलकर काम करते हुए एआई में अमेरिका की लीडरशिप बनाए रखने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

कृष्णन ने माइक्रोसॉफ्ट से की करियर की शुरुआत चेन्नई के रहने वाले कृष्णन पेशे से इंजीनियर हैं। वर्तमान में वह एंड्रीसेन होरीवित्ज नाम की वेंचर कैपिटल फर्म में पार्टनर हैं। इस कंपनी को ए16जेड के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अपनी पहली नौकरी 2007 में माइक्रोसॉफ्ट में विजुअल स्टूडियो के प्रोग्राम मैनेजर से शुरू की थी।

इसके बाद वो 2013 में फेसबुक से जुड़े। यहां उन्होंने प्रोडक्ट/बिजनेस स्ट्रैटजी समेत कई अहम पदों पर 2016 तक काम किया। कृष्णन ने स्नैपचैट के साथ भी काम किया, यहां पर उन्होंने कंपनी का आईपीओ आने से पहले एड टेक प्लेटफॉर्म बनाया था।

सिलिकॉन वैली की टॉप कंपनियों में काम करने के बाद श्रीराम कृष्णन 2017 में ट्विटर से जुड़े। यहां कोर कंज्यूमर प्रोडक्ट टीम को लीड किया। इस दौरान वो ट्विटर यूजर ग्रोथ में 20 प्रतिशत का इजाफा करने में सफल रहे। उन्हें ट्विटर के होम टाइमलाइन, नए यूजर के एक्सपीरिएंस, सर्च, डिस्कवरी और ऑडियंस ग्रोथ जैसे अहम काम करने थे। वह 2019 तक ट्विटर से जुड़े रहे है और होम पेज को नए सिरे से लॉन्च किया।

मस्क को दिया था ब्लू टिक सब्सक्रिप्शन का सुझाव इसके साथ ही वह याहू कंपनी में में भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में रह चुके हैं। साथ ही बिट्स्की, होपिन और पॉलीवर्क जैसी कई कंपनियों के बोर्ड में रहे हैं। 2021 में उन्होंने एंड्रीसेन होरीवित्ज को जॉइन किया। यह क्लब हाउस में एक मेजर इंवेस्टर हैं। क्लब हाउस एक सोशल ऑडियो एप है जिसे 2020 में जारी किया गया था। इलॉन मस्क को ब्लू-टिक के बदले पैसे लेने का सुझाव श्रीराम कृष्णन ने ही दिया था। मस्क के ट्विटर खरीदने के बाद इसके नए सेटअप में श्रीराम कृष्णन ने अहम रोल निभाया था।

ट्रम्प ने भारतीय मूल के लोगों को दी कई अहम जिम्मेदारी डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार में भारतीय मूल के लोगों को कई अहम जिम्मेदारियां दी गई है। इनमें विवेक रामास्वामी, कश्यप काश पटेल और जय भट्टाचार्या के नाम प्रमुख हैं। इसके अलावा अमेरिका के वाइस प्रेजिडेंट बनने जा रहे जेडी वांस की पत्नी ऊषा वांस भी भारतीय मूल की हैं। इसका मतलब है कि जल्द ही वो सेकेंड लेडी ऑफ यूनाइटेड स्टेट्स होंगी।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री फिको से की वार्ता : मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को क्रेमलिन में स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ वार्ता की। फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से यूरोपीय संघ में शामिल किसी देश के नेता की मॉस्को की यात्रा सामान्य बात नहीं है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने रूस की समाचार एजेंसी 'आरआईए' को बताया कि फिको यात्रा पर रूस पहुंचे और रविवार शाम को पुतिन से आमने-सामने मुलाकात की। पेस्कोव के अनुसार, वार्ता अंतरराष्ट्रीय स्थिति और रूसी प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पर केंद्रित रही। मॉस्को द्वारा यूक्रेन में सेना भेजे जाने के बाद से यूरोपीय नेताओं का पुतिन से मिलना और फोन पर बात करना काफी कम हो गया है। हालांकि हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने जुलाई में रूस की यात्रा की थी। ओरबान की यात्रा की यूक्रेन और यूरोपीय संघ के नेताओं ने निंदा की थी। यूक्रेन युद्ध के बारे में फिको के विचार अधिकांश अन्य यूरोपीय नेताओं से बिल्कुल भिन्न हैं। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री पिछले साल सत्ता में वापस लौटे थे, जब उनकी वामपंथी पार्टी 'स्मेर' ने रूसी समर्थन और अमेरिकी विरोधी को मुद्दा बनाकर संसदीय चुनाव जीता था।

हमें किसी छद्म सेना की जरूरत नहीं, जब हमला करना होगा, खुद कर लेंगे : ईरानी सुप्रीम नेता खामनेई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने रविवार को कहा कि उनके देश की कोई छद्म सेना नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उन्हें कार्रवाई करनी होगी तो वे खुद कर लेंगे। खामेनेई का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कथित ईरान समर्थित हमास और हिजबुल्ला को इस्राइल के खिलाफ लड़ाई में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। साथ ही सीरिया की बशर अल असद सरकार को भी ईरान समर्थक माना जाता था, लेकिन अब वहां भी तख्तापलट हो चुका है।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने दी चेतावनी : यमन के हूती विद्रोहियों को भी ईरान का समर्थन मिलने का दावा किया जाता है। रविवार को तेहरान में ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने लोगों के एक समूह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस्लामिक गणराज्य ईरान को किसी छद्म सेना की जरूरत नहीं है। यमन इसलिए लड़ता है क्योंकि उसमें आस्था है। हिजबुल्लाह इसलिए लड़ता है क्योंकि आस्था की शक्ति उसे जंग के मैदान में खींचती है। हमास और (इस्लामिक) जिहाद इसलिए लड़ते हैं क्योंकि उनका विश्वास उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर करते हैं। वे हमारे प्रॉक्सी के रूप में काम नहीं करते हैं।

हमें किसी छद्म सेना की जरूरत नहीं : खामेनेई ने कहा कि वे (अमेरिका) लगातार कहते रहते हैं कि इस्लामिक गणराज्य ईरान ने क्षेत्र में अपनी छद्म सेनाओं को खो दिया है, लेकिन ये उनकी एक और गलती है। अगर किसी दिन हम कार्रवाई करना चाहेंगे तो हमें किसी छद्म सेना की जरूरत नहीं होगी और हम खुद ही एक्शन ले लेंगे। दरअसल ऐसा माना जाता है कि ईरान ने इस्राइल के खिलाफ लड़ाई के लिए फलस्तीन में हमास को खड़ा किया और लेबनान में हिजबुल्ला को मदद दी। सीरिया की बशर अल असद सरकार के जरिए ही लेबनान में हिजबुल्ला को हथियारों की आपूर्ति की जाती थी।

गाजा में इजरायली हवाई हमलों में 23 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा, एजेंसी। फिलिस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने बताया कि गाजा पट्टी पर इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 23 फिलिस्तीनी मारे गए। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने डब्ल्यूएएफए के हवाले से बताया कि रविवार को मूसा बिन नुसायर स्कूल पर इजरायली बमबारी के परिणामस्वरूप तीन बच्चों और दो महिलाओं सहित कम से कम नौ लोग मारे गए और कुछ अन्य घायल हो गए, जिसमें गाजा शहर के अल-दराज पड़ोस में विस्थापित लोग रहते थे। इसमें कहा गया है कि गाजा शहर के अल-जला स्ट्रीट पर इजरायली सेना द्वारा एक वाहन पर बमबारी करने पर चार और लोग मारे गए। डब्ल्यूएएफए ने एक अलग रिपोर्ट में कहा कि रविवार सुबह गाजा शहर के उत्तर में जबालिया शहर में इजरायल की गोलाबारी में चार बच्चों सहित पांच नागरिकों की मौत हो गई। डब्ल्यूएएफए ने कहा कि दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस के पश्चिम में उनके अपार्टमेंट पर इजरायली सेना द्वारा बमबारी में दो लोग मारे गए। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने रविवार को एक बयान में कहा कि खुफिया सूचना के आधार पर वायु सेना ने गाजा पट्टी में एक कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर के अंदर सक्रिय हमास आतंकवादियों पर सटीक हमला किया। इसमें कहा गया है कि कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर, जो एक परिसर के अंदर बनाया गया था।

अमेरिका में महिला की मेट्रो में जलाकर हत्या : आरोपी ने कपड़ों में लगाई आग, स्टेशन पर बैठकर देखता रहा; 8 घंटे बाद गिरफ्तार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में रविवार को एक महिला की मेट्रो में आग लगाकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। न्यूयॉर्क पुलिस के मुताबिक आरोपी सुबह करीब 7 : 30 बजे मेट्रो में महिला के पास पहुंचा और स्टेशन पर उतरने से पहले मेट्रो में आग लगा दी। आग में जलने की वजह से महिला की मौत हो गई। न्यूयॉर्क पुलिस की कमिश्नर जेसिका टिश ने बताया कि आरोपी ने लाइटर से महिला के एक सफेद कपड़े में आग लगाई थी। आग लगने की वजह से कपड़ा चंद सेकंड में ही जलकर खाक हो गया। इसके बाद आग महिला के दूसरे कपड़ों में फैल गई। पीड़ित महिला की अभी पहचान नहीं हो पाई है। आग लगाने के बाद आरोपी मेट्रो से उतरकर स्टेशन पर जाकर बैठ गया। प्लेटफॉर्म पर बैठे-बैठे वह महिला को जलते हुए देख रहा था। आग लगते वक्त सो रही थी महिला टिश ने बताया कि मेट्रो स्टेशन पर गश्त कर रहे पुलिस अधिकारियों को ट्रेन से धुआं दिखाई दिया और बदबू आई। इसके बाद वे मौके पहुंचे और पाया कि पीड़िता में आग लगी हुई थी। इसके बाद अधिकारियों ने आग को बुझाया। मौके पर पहुंचे आपातकालीन सेवा के कर्मचारियों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शुरुआती बयान में बताया कि महिला घटना के समय सो रही थी। आग लगाने से पहले आरोपी और महिला के बीच कोई बातचीत भी नहीं हुई थी। पुलिस के मुताबिक दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे।

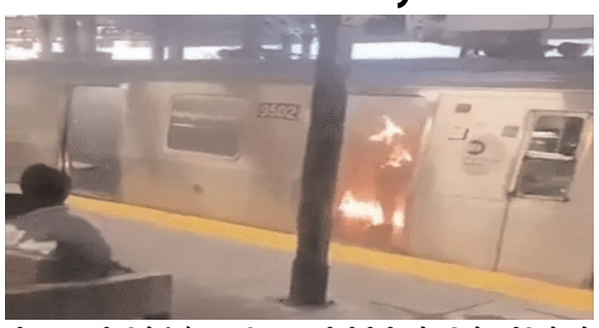

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ने महिला के कंबल में आग लगाई थी। ये आग तब तक फैलती रही जब तक महिला आग की लपटों से घिरकर खड़ी नहीं हो गई। स्कूली बच्चों ने आरोपी को पकड़वाया स्टेशन पर बैठा आरोपी की तस्वीरें पुलिस के बॉडी कैमरों में कैद हो गई थीं। हालांकि, उस वक्त उसकी पहचान नहीं हो पाई थी। मेट्रो के सीसीटीवी से मिले वीडियो में आरोपी के हुलिए के आधार पर उसकी पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने बॉडी कैमरों से मिली फुटेज को सार्वजनिक कर लोगों से आरोपी को पकड़े में मदद मांगी। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने में मदद करने पर 10,000 डॉलर का इनाम रखा था। इसके बाद 3 स्कूली बच्चों ने आरोपी को देखकर उसके बारे में जानकारी दी। घटना के 8 घंटे बाद ही पुलिस ने उसे एक दूसरी मेट्रो ट्रेन से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आयुक्त ने बताया कि जब आरोपी की तस्वीरें वायरल हुईं तो तीन लोगों ने पुलिस को फोन करके बताया कि वे आरोपी को पहचानते हैं। इसके बाद पुलिस ने एक दूसरी ट्रेन से युवक को पकड़ा और उसकी जेब से लाइटर बरामद हुआ। मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। महिला के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने संदिग्ध के बारे में पुलिस को जानकारी देने वाले लोगों की प्रशंसा की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि ऐसे घृणित व्यवहार का हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है।

दक्षिण अफ्रीका : लिम्पोपो सड़क दुर्घटना में सात लोगों की मौत

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिम्पोपो प्रांत में एक सड़क दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। लिम्पोपो प्रांतीय विधानमंडल में परिवहन और सामुदायिक सुरक्षा के कार्यकारी परिषद के सदस्य वायलेट मैथे ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार को हुई, जब लिम्पोपो प्रांत के एक गांव गा फाशा के पास एन1 राजमार्ग पर यात्रियों को ले जा रही एक मिनी बस सहित सात कारें आपस में टकरा गईं, जिसके कारण यह त्रासदी हुई। मथे ने बताया कि घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

मैथे ने कहा, हम अपने वाहन चालकों और पैदल चलने वालों से आग्रह करते हैं कि वे त्योहारों के मौसम में वाहन चलाते या सड़कों पर चलते समय अधिक सतर्क रहें। सड़क सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। मथे ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है। इस बीच एक अलग घटना में दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी केप प्रांत में आमने-सामने की टक्कर में 12 लोग मारे गए तथा अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को पुष्टि की कि दुर्घटना शनिवार को स्थानीय समयानुसार लगभग 8 बजे प्रांत में मभाशे स्थानीय नगर पालिका के एक शहर ड्यूटीवा के पास एन2 रोड पर हुई। प्रांतीय परिवहन विभाग के प्रवक्ता उनाथी बिन्कोसे के अनुसार, दुर्घटना में एक मिनी बस टैक्सी शामिल थी, जिसमें 10 यात्री सवार थे, तथा एक बक्की (दक्षिण अफ्रीकी अंग्रेजी शब्द जिसका अर्थ पिकअप ट्रक होता है) जिसमें चार यात्री सवार थे।

बिन्कोसे ने बताया कि बक्की के यात्रियों में से तीन पुरुषों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला यात्री गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्होंने कहा, मिनी बस टैक्सी में आठ लोगों की दुखद मौत हो गई। जिसमें चार पुरुष और चार महिलाएं शामिल है। वहीं दो अन्य घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। त्योहारों के मौसम की शुरुआत के बाद से यह दूसरी सबसे बड़ी दुर्घटना है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार प्रवक्ता ने पुष्टि की कि मिनी बस टैक्सी में सवार एक घायल महिला की बाद में अस्पताल में मौत हो गई, जिससे शनिवार को अकेले पूर्वी केप की सड़कों पर चार अलग-अलग दुर्घटनाओं में मरने वालों की कुल संख्या 23 हो गई। यह घटना उसी प्रांत के एक कस्बे ग्रैफ-रीनेट के बाहर एन9 सड़क पर सोमवार को हुई आमने-सामने की टक्कर के कुछ दिन बाद हुई है, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी।

संकट में ध्रुवीय भालू, आबादी बढ़ाना हो रहा मुश्किल; सदी के अंत तक हो सकते हैं गायब

जुनो, एजेंसी। जलवायु परिवर्तन के चलते आर्कटिक सर्कल देशों में ध्रुवीय भालुओं की आबादी में सदी के अंत तक भारी गिरावट आ सकती है। नेचर क्लाइमेट चेंज की रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन ध्रुवीय भालुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इस बदलाव का असर सबसे पहले और सबसे बुरा आर्कटिक में महसूस किया जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार ध्रुवीय भालुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा समुद्री बर्फ का कम होना है। समुद्री बर्फ कम होने से ध्रुवीय भालुओं के लिए सील का शिकार करना, संभोग करना और यात्रा करना मुश्किल हो रहा है। दुनिया में सबसे ज्यादा ध्रुवीय भालू अलास्का, रूस, ग्रीनलैंड और नॉर्वे (स्वालबार्ड) में पाए जाते हैं। ये आर्कटिक सर्कल के उत्तर में रहते हैं। हालांकि कुछ आबादी कनाडा के मैनिटोबा की हडसन बे जैसे ज्यादा दक्षिणी इलाकों में भी पाई जाती है।

एक नजर रिपोर्ट के दावे पर : रिपोर्ट के अनुसार ध्रुवीय भालू की वैश्विक आबादी का अनुमान लगाना मुश्किल है क्योंकि उनकी सीमा का पूर्ण अध्ययन नहीं किया गया है तथापि जीवविज्ञानी दुनियाभर में करीब 20 से 25 हजार ध्रुवीय भालू होने का अनुमान लगाते हैं।

तेल-गैस कारोबार घातक : तेल और गैस का कारोबार आर्कटिक में तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि दक्षिण में ज्यादा सुलभ भंडार सूख रहे हैं। नियमित उत्सर्जन और रिसाव सीधे समुद्र या समुद्री बर्फ में छोड़े जा रहे हैं। तेल रिसाव के संपर्क में आने से भालू के फर का इन्सुलेटिंग प्रभाव कम होता है। तब भालू को गर्म रहने के लिए अधिक ऊर्जा का उपयोग करना पड़ता है और अपने कैलोरी सेवन को बढ़ाकर क्षतिपूर्ति करनी पड़ती है जो उसके आगे के जीवन में मुश्किलें पैदा करता है।

पोलर बियर इंटरनेशनल एक ऐसा संगठन है जो ध्रुवीय भालुओं और उनके आवास के संरक्षण के लिए समर्पित है। इसका कहना है कि पश्चिमी हडसन बे ध्रुवीय भालुओं का घर है। यहां 2060 से 2090 के बीच इनके गायब होने का अनुमान है, जब तक कि पेरिस जलवायु समझौते में निर्धारित तापमान के लक्ष्यों को पूरा नहीं करते। इसलिए ध्रुवीय भालुओं की रक्षा करने का एकमात्र तरीका ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को बहुत कम करना है जो समुद्री बर्फ को पिघला रहा है। ध्रुवीय भालू जलवायु में बदलाव के कारण समुद्री बर्फ के नुकसान के कारण भूमि पर अधिक समय बिताते हैं, इसलिए उनका मनुष्यों के साथ सामना बढ़ रहा है। मैनिटोबा के चर्चिल शहर ने दुनिया का पहला ध्रुवीय भालू स्मार्ट समुदाय बनने के लिए पोलर बियर इंटरनेशनल के साथ सहयोग किया है।

ट्रंप की शपथ से पहले पुतिन ने फिर दिया बड़ा बयान, रूस अमेरिका के साथ रिश्ते सामान्य करने को तैयार

मॉस्को , एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कुछ ही हफ्तों में अमेरिकी के राष्ट्रपति पद संभालने वाले है, जिससे पहले अमेरिका और रूस के रिश्चते को लेकर कई सारी बातें सामने आ रही है कि क्या ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद रूस और अमेरिका के रिश्ते में बदलाव होंगे। इसी बीच इस मामले में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का बड़ा बयान सामने आया है। जहां उन्होंने कहा कि उनके देश ने अमेरिका से रिश्ते सामान्य करने की इच्छा कभी नहीं छोड़ी। बता दें कि इससे पहले जनवरी में व्हाइट हाउस लौटने वाले ट्रंप ने रूस और यूक्रेन से जंग खत्म करने को लेकर बातचीत शुरू करने की बात कही थी। इसके बाद से ही अटकलें लगाई जाने लगी थीं कि ट्रंप शांति कायम करने के लिए यूक्रेन को रूस की शर्तें मानने के लिए मजबूर कर सकते हैं।

रूसी हितों में नहीं किया जाएगा समझौता-पुतिन : राष्ट्रपति पुतिन ने आगे कहा कि रूस अन्य पश्चिमी देशों के साथ भी रिश्ते सामान्य करने के लिए तैयार है, लेकिन इन प्रयासों में रूसी हितों के साथ समझौता नहीं किया जाएगा। एक साक्षात्कार में पुतिन ने कहा, वे इच्छा करें तो सबकुछ करना संभव है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सबकुछ बदल जाता है और सिर्फ हित ही अपरिवर्तनीय रह जाता है। रूस व उसके लोगों का हित।

रूस को नहीं होना चाहिए नुकसान-पुतिन : पुतिन ने कहा, अगर हमें लगता है कि स्थितियां बदल रही हैं और दूसरे देशों के साथ रिश्ते बनाने की संभावनाएं हैं, तो हम उसके लिए

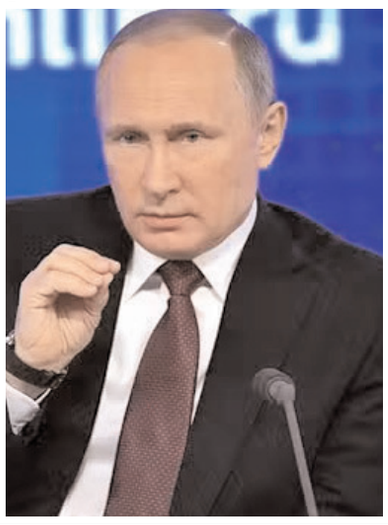

तैयार हैं। उन्होंने कहा कि रिश्तों का सवाल हमारे लिए नहीं, उनके लिए है। लेकिन, रिश्ते सुधारने के दौरान रूस को नुकसान नहीं होना चाहिए।

पुतिन ने इस उदाहारण से समझाया तर्क : इसके साथ ही पुतिन ने उदाहरण देते हुए कहा कि 19वीं और 20वीं सदी में रूस को कई प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा, लेकिन धीरे-धीरे रूस ने अपनी स्थिति मजबूत की और काला सागर में अपने अधिकार वापस प्राप्त किए। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कुछ इतिहासकारों ने क्रीमिया युद्ध को विश्व युद्ध शून्य के रूप में वर्णित किया था, क्योंकि उस समय रूस के खिलाफ यूरोपीय शक्तियां एकजुट थीं। उन्होंने कहा कि स्थिति बदलने के साथ अब वही देश जो पहले रूस के खिलाफ थे, अब रूस के सहयोगी बन गए हैं।

पुतिन की चेतावनी : गौरतलब हो कि पिछले हफ्ते, रूस ने अपने नागरिकों को अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों की यात्रा से बचने की सलाह दी थी। यह चेतावनी दी गई थी कि इन देशों के अधिकारी उनका शिकार कर सकते हैं। रूस और अमेरिका के संबंधों में यूक्रेन युद्ध के कारण तनाव बढ़ गया है और दोनों देशों के राजनयिकों का कहना है कि वर्तमान में दोनों देशों के रिश्ते 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के बाद से सबसे खराब हैं। बता दें कि अमेरिका में 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के जीतने के बाद, वह 20 जनवरी, 2025 को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आधिकारिक शेड्यूल जारी, जानें कब होगा भारत-पाक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को आखिरकार चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आधिकारिक शेड्यूल घोषित कर दिया। हाइब्रिड मॉडल में आयोजित होने वाले इस एलीट टूर्नामेंट की शुरुआत 19 फरवरी को कराची में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मैच से होगी। भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा और चैंपियंस ट्रॉफी का अपना पहला मैच 20 फरवरी को दुबई में खेलेगा।

आठ प्रतिस्पर्धी टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। ग्रुप ए में पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश हैं जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड हैं। भारत 23 फरवरी को दुबई में पाकिस्तान से खेलेगा। ढृष्टष्ट ने कहा कि 8 टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच होंगे और ये मैच पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। पाकिस्तान में रावलपिंडी, लाहौर और कराची तीन स्थान होंगे जहां टूर्नामेंट खेला जाएगा। प्रत्येक पाकिस्तानी स्थल पर तीन-तीन ग्रुप गेम खेले जाएंगे, जिसमें लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी करेगा।

लाहौर 9 मार्च को फाइनल की मेजबानी भी करेगा, जब तक कि भारत क्वालीफाई नहीं कर लेता। भारत के फाइनल में क्वालीफाई के बाद यह दुबई में खेला जाएगा।

सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में रिजर्व दिन होंगे। भारत के तीन ग्रुप मैच और पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा।

ग्रुप

ग्रुप ए : पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश
ग्रुप ए : दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड

चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का शेड्यूल

20 फरवरी, बांग्लादेश बनाम भारत, दुबई
23 फरवरी, पाकिस्तान बनाम भारत, दुबई
2 मार्च, न्यूजीलैंड बनाम भारत, दुबई

चैंपियंस ट्रॉफी का पूरा शेड्यूल

19 फरवरी, पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड, कराची, पाकिस्तान
20 फरवरी, बांग्लादेश बनाम भारत, दुबई
21 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम दक्षिण अफ्रीका, कराची, पाकिस्तान
22 फरवरी, ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, लाहौर, पाकिस्तान
23 फरवरी, पाकिस्तान बनाम भारत, दुबई
24 फरवरी, बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड, रावलपिंडी, पाकिस्तान
25 फरवरी, ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, रावलपिंडी, पाकिस्तान
26 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड, लाहौर, पाकिस्तान
27 फरवरी, पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, रावलपिंडी, पाकिस्तान
28 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया, लाहौर, पाकिस्तान
1 मार्च, दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड, कराची, पाकिस्तान
2 मार्च, न्यूजीलैंड बनाम भारत, दुबई
4 मार्च, सेमीफाइनल 1, दुबई
5 मार्च, सेमीफाइनल 2, लाहौर, पाकिस्तान
9 मार्च, फाइनल, लाहौर (भारत के क्वालीफाई करने पर दुबई में)
10 मार्च, रिजर्व डे

आधुनिक समय के महान खिलाड़ी अपना रास्ता खुद बनाते हैं : रोहित ने कोहली का समर्थन किया

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया में ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर विराट कोहली के संघर्ष को लेकर चिंताओं को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए टीम में लंबे समय के अपने साथी का पूर्ण समर्थन करते हुए मंगलवार को कहा, 'आधुनिक समय के महान खिलाड़ी अपने रास्ते को खुद तय कर लेते हैं।'

ऑस्ट्रेलिया के इस दौरे पर कोहली ने पांच पारियों में 5, 100 नाबाद, 7, 11 और तीन रन बनाए है। इस दौरान उनका औसत 31.50 रन का रहा है। खुद भी खराब दौर से गुजर रहे रोहित को लय हासिल करने की उम्मीद है। जब उनसे कोहली के संघर्षों के बारे में सवाल पूछा गया तो चेहरे पर मुस्कान के साथ इसका जवाब दिया।

जब एक पत्रकार ने रोहित से पूछा कि खराब दौर से गुजर रहे मौजूदा युग के किसी महान खिलाड़ी को आप सलाह देना पसंद करेंगे या उनके हालात पर छोड़ देंगे। भारतीय कप्तान ने कहा, 'आप ने ही कहा कि वह मौजूदा दौर के महान खिलाड़ी है। मौजूदा दौर के महान खिलाड़ी अपना रास्ता खुद तय कर लेते हैं।'

कोहली एमसीजी में नेट अभ्यास सत्र में भाग लेने वाले सबसे शुरुआती बल्लेबाजों में से एक थे और रोहित प्रमुख बल्लेबाजों में सबसे आखिरी में अभ्यास करने पहुंचे। भारतीय कप्तान ने आखिरी 20 मिनट में सिर्फ दो शॉट खेले और बाकी गेंदों को विकेट के पीछे जाने दिया। वह गेंद पर आक्रमण करने की अपनी नैसर्गिक प्रवृत्ति को नियंत्रित करने की कोशिश करते दिखे।'

अभ्यास के दौरान रोहित गेंदबाजों खासकर हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा से चौथे स्टंप की लाइन में गेंदबाजी करने को कहा। इस दौरान वहां लगभग 500 की संख्या में मौजूद प्रशंसकों में से किसी ने कहा, 'रोहित भाई पुल मारो ना।' रोहित से जब उनकी बल्लेबाजी क्रम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने थोड़ा चिढ़ते हुए कहा, 'इसके बारे में चिंता न करें। मुझे लगता है कि कौन कहां बल्लेबाजी करेगा इस बारे में हमें टीम के अंदर चर्चा करनी चाहिए। मुझे हर संवाददाता सम्मेलन में इस सवाल का जवाब नहीं देना चाहिए।'

टीम में अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की जगह तनुष कोटियान के चयन के बारे में पूछे जाने पर भारतीय कप्तान ने एक बार फिर चुटिले अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने चेहरे पर बड़ी मुस्कान के साथ कहा, 'कुलदीप के पास वीजा नहीं है।' रोहित ने फिर बताया कि कुलदीप चोट से पूरी तरह से उबरे नहीं है। उन्होंने कहा, 'अक्षर अभी पिता बने हैं। मैं यह नहीं कह रहा हूं तनुष बुरा गेंदबाज है लेकिन वह यहां विकल्प के तौर पर है।' पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबरी पर है और इसके आखिरी दो मैच मेलबर्न और सिडनी में होंगे।

बेन स्टोक्स 3 महीने के लिए क्रिकेट से रहेंगे दूर, न्यूजीलैंड के खिलाफ चोट के कारण होगी सर्जरी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को बाएं हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करानी होगी और वे कम से कम तीन महीने तक क्रिकेट के सभी प्रारूपों से बाहर रहेंगे। रिपोर्ट के अनुसार 33 वर्षीय स्टोक्स को इस महीने की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी। इस साल यह दूसरी बार है जब स्टोक्स की बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है, इससे पहले अगस्त में द हंड्रेड में खेलते समय भी उन्हें यही चोट लगी थी।

इंग्लैंड ने कहा कि डरहम के ऑलराउंडर स्टोक्स की जनवरी में सर्जरी होगी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने जारी एक बयान में कहा है कि बेन स्टोक्स जनवरी में हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करवाएंगे। इसके बाद वह रिहैब की प्रक्रिया के कारण कम से कम तीन महीने के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगे।

स्टोक्स ने एक्स पर पोस्ट किया, 'मेरे पास अभी बहुत कुछ बचा है और अपनी टीम और इस शर्ट के लिए मुझे बहुत खून, पसीना और आंसू बहाने हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'एक कारण है कि मेरे शरीर पर हमेशा के लिए फीनिक्स का टैटू गुदवा लिया गया है।' चोट के कारण स्टोक्स को भारत के व्हाइट-बॉल दौरे और जनवरी और फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल नहीं किया गया था। उन्हें जनवरी में दक्षिण अफ्रीका की फ्रैंचाइजी टी20 लीग SA20 में MI केप टाउन के लिए खेलना था, लेकिन अब वे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे।

स्टोक्स काउंटी चैंपियनशिप के पहले दौर के लिए फिर से फिट होने का लक्ष्य रखेंगे, जिसमें 4 अप्रैल को डरहम का सामना नॉटिंघमशायर से ट्रेंट ब्रिज में होगा, हालांकि यह सर्जरी से उनकी रिकवरी पर निर्भर करेगा। स्टोक्स ने अपने करियर को लंबा करने के लिए मार्च से मई तक होने वाली 2025 इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी में प्रवेश करने से इनकार कर दिया।

बाहर की गेंद छोड़कर: मैथ्यू हेडन ने भी दे दी विराट कोहली को सलाह

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने विराट कोहली से सिडनी में सचिन तेंदुलकर की अनुशासित पारी से प्रेरणा लेने और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शेष दो टेस्ट मैच में फॉर्म हासिल करने के लिए ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर प्रहार करने की अपनी प्रवृत्ति पर लगाम लगाने को कहा है। कोहली ने अपनी पिछली पांच पारियों में 05, नाबाद 100, 07, 11 और 03 रन के स्कोर से 31.50 की औसत से केवल 126 रन बनाए हैं।

हेडन ने कहा कि शानदार जीत हो सकती थी, हार हो सकती थी, स्पिन के अनुकूल हालात हो सकते थे, मेरा मतलब है, आप सैकड़ों अलग-अलग क्षेत्रों की सूची बना सकते हैं, जहां विराट कोहली ने अपने शानदार करियर के दौरान बल्लेबाजी की होगी। उन्होंने कहा कि लेकिन मेलबर्न में उसे बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट मिलेगा। उन्हें बस इतना करना है कि क्रीज पर बने रहने का तरीका खोजना है। ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर प्रहार करने से बचना होगा। और मेरा सुझाव है - वह थोड़ा और गेंद की लाइन में आएं और सीधे शॉट खेलने का प्रयास करें।

हेडन ने 2004 के सिडनी टेस्ट के दौरान तेंदुलकर की नाबाद 241 रन की ऐतिहासिक पारी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे आत्मसंयम से चीजें बदल सकती हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि उसके (कोहली) पास एक शानदार कवर ड्राइव है लेकिन सचिन तेंदुलकर के पास भी था और उसने इसे एक दिन के लिए दूर रखा। मैं गली में खड़ा होकर सोच रहा था कि यह शानदार, जिद्द से भरी बल्लेबाजी है। तेंदुलकर ने 2004 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान खराब फॉर्म से जूझते हुए क्रीज पर बिताए 613 मिनटों के दौरान अपने ऑफ-साइड ड्राइव से पूरी तरह बचते हुए उल्लेखनीय आत्मसंयम और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया।

बल्लेबाजी के दौरान क्रीज पर शुरुआती आधे घंटे सतर्क रहे : गावस्कर की पंत को सलाह

मेलबर्न । महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शेष दो टेस्ट मैचों में आक्रामक स्ट्रोक खेलने से पहले परिस्थितियों का 'सम्मान' करने की सलाह दी है। ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर गाबा में मैच जिताऊ पारी खेलने के साथ भारत की श्रृंखला जीत के नायकों में शामिल रहे पंत मौजूदा दौरे पर अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने में नाकाम रहे हैं। इस 27 साल के खिलाड़ी ने अब तक तीन टेस्ट मैचों की पांच पारियों में 37, एक, 21, 28 और नौ का स्कोर बनाया है। अपने आक्रामक रवैये के लिए जाने जाने वाले पंत ज्यादातर मौके पर मैच की स्थिति की परवाह किए बिना आक्रामक शॉट खेलने को प्राथमिकता दी है। पांच मैचों की मौजूदा श्रृंखला में एडीलेड में खेले गये दिन-रात्रि टेस्ट में अपनी पारी की पहली ही गेंद पर तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के खिलाफ आक्रामक शॉट खेलने के उनके साहसिक फैसले ने काफी ध्यान आकर्षित किया था। गावस्कर ने कहा, 'ऋषभ पंत को वही करने की जरूरत है जो सभी के लिए जरूरी है। शुरुआती आधे घंटे का सम्मान करें। क्रीज पर पहुंचने के बाद चाहे जैसी भी परिस्थिति हो सावधानी से बल्लेबाजी करते हुए थोड़ा समय बिताये। अगर भारतीय टीम का स्कोर तीन विकेट पर 525 रन के आसपास हो तो वह अपने तरीके से बल्लेबाजी कर सकते हैं।' पंत के लिए ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों की चुनौती के बारे में उन्होंने कहा, 'वे एक कोण से गेंदबाजी करते है। पैट कमिंस और यहां तक कि (जोश) हेजलवुड भी ऐसी गेंदों से उन्हें परेशान करते हैं। स्कॉट बोलैंड से उन्हें थोड़ी परेशानी होगी क्योंकि बोलैंड भी उस क्षेत्र के आसपास गेंदबाजी करते हैं।'

खेल रत्न विवाद पर मनु भाकर ने चुप्पी तोड़ी, नामांकन दाखिल करने में मेरी तरफ से चूक हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर ने खेल रत्न पुरस्कार विजेताओं की सूची से उन्हें बाहर रखे जाने को लेकर उठे विवाद के बीच मंगलवार को स्वीकार किया कि इस साल के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए नामांकन दाखिल करते समय शायद उनकी ओर से कोई चूक हुई है।

खेल मंत्रालय ने नुकसान की भरपाई के लिए कदम उठाते हुए कहा था कि पुरस्कार के लिए नामांकन की सूची को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है जिसके एक दिन बाद 22 वर्षीय स्टार पिस्टल निशानेबाज ने देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार के लिए नामांकन नहीं मिलने पर सोशल मीडिया पर अपनी स्थिति स्पष्ट की। मनु ने 'एक्स' पर लिखा, 'सबसे प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार के लिए मेरे नामांकन को लेकर चल रहे मुद्दे के संबंध में मैं यह कहना चाहूंगी कि एक खिलाड़ी के रूप में मेरी भूमिका अपने देश के लिए खेलना और प्रदर्शन करना है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि नामांकन दाखिल करते समय शायद मेरी ओर से कोई चूक हुई है जिसे ठीक किया जा रहा है।' हरियाणा की इस निशानेबाज ने कहा कि उनका लक्ष्य देश के लिए प्रदर्शन करना है और इसमें बदलाव नहीं आएगा, फिर चाहे उन्हें पुरस्कार मिले या नहीं। इससे पहले उनके निजी जसपाल राणा और पिता रामकिशन भाकर ने खेल मंत्रालय और चयन समिति पर उनकी शानदार उपलब्धियों के बावजूद उन्हें नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'पुरस्कार और मान्यता मुझे प्रेरित करते हैं, लेकिन ये मेरा लक्ष्य नहीं हैं।'

मनु ने कहा, 'पुरस्कार मिले या नहीं, मैं अपने देश के लिए और अधिक पदक जीतने के लिए प्रेरित रहूंगी। सभी से अनुरोध है कि कृपया इस पर अटकलें न लगाएं।' राणा और रामकिशन ने खेल मंत्रालय और चयन समिति पर उनकी शानदार उपलब्धियों के बावजूद उन्हें नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। हालांकि खेल मंत्रालय के अनुसार सूची को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।

खेल मंत्रालय ने कहा कि कुछ दिनों में जब नामों का खुलासा होगा तो उनका नाम उसमें शामिल होने की संभावना है। विश्वसनीय रूप से पता चला है कि पुरुष हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालंपिक स्वर्ण विजेता ऊंची कूद खिलाड़ी प्रवीण कुमार को खेल रत्न के लिए चुना गया है। इसके अलावा 30 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के नाम शामिल है जिसमें 17 पैरा खेलों से हैं।

पुरस्कार चयन समिति के अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम हैं और इसमें पूर्व महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल, मुक्केबाज विजेंदर सिंह और पूर्व महान क्रिकेटर अनिल कुंबले भी शामिल हैं। समिति को उन लोगों के नाम पर विचार करने का अधिकार है जिन्होंने आवेदन किया हो। लेकिन यदि आवश्यक हो तो समिति उन नामों पर चर्चा करने के लिए भी अधिकृत है जो उस सूची में शामिल नहीं हैं। मनु ओलंपिक के एक ही सत्र में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी हैं। उन्होंने पेरिस में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम (सरबजोत सिंह के साथ) स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते।

सीनियर महिला वन-डे ट्रॉफी : शेफाली के शतक के बाद भी हारी हरियाणा

मुम्बई । शैफाली वर्मा की 197 रनों की शानदार पारी के बाद भी उनकी टीम को सीनियर महिला वन-डे ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में बंगाल के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में शेफाली ने 115 गेंदों पर 11 छक्के, 22 चौके लगाकर 197 रन बनाये। शैफाली की आक्रामक शतकीय पारी से हरियाणा ने 50 ओवर में 390 रन बना दिये। आजकल भारतीय टीम से बाहर चल रही शैफाली ने अपनी इस पारी से एक बार फिर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है। शैफाली ने अब अपनी आतिशी पारी से साबित कर दिया वह उसने लय हासिल कर ली है। शैफाली का टी20ई करियर शानदार रहा है, पर एकदिवसीय में वह अब तक खास उपलब्धि हासिल नहीं कर पायी हैं। साल 2021 में अपने पदार्पण के बाद से उन्होंने 25 मैच खेले हैं पर 23.00 की औसत से केवल 644 रन ही बनाए हैं। 2023 के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में फ्लॉप रही जिसके बाद उन्हें टीम में स्थान गंवाना पड़ा था। शैफाली ने अबतक 85 टी20 मैच खेलकर 2,000 से ज्यादा रन बनाये हैं और 10 अर्द्धशतक लगाये हैं। मैच की बात की जाए तो हरियाणा ने रीमा के 58, शैफाली वर्मा के 197, त्रिवेणी के 46 तो सोनिया के 41 गेंदों पर 61 रनों की बदौलत 389 रन बनाए थे। इसके बाद बंगाल ने भी इसी अंदाज में जवाब दिया। धारा ने 49 गेंदों पर 69 रन जबकि मंडल ने 29 गेंदों पर 52 रन बनाए। इसके बाद टी सरकार ने 83 गेंदों पर 20 चौकों की मदद से 113 रन बनाये। मध्यक्रम में पी बाला ने 81 गेंदों पर 88 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

नए साल में खेली जाएगी एसए-20 क्रिकेट लीग

जोहांसबर्ग,(ईएमएस)। अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए-20 का आयोजन पहले दो सत्र में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ ही किया गया था पर इस बार यह लीग नए साल में होने वाले टेस्ट मैच के बाद खेली जाएगी। दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम में शामिल खिलाड़ी भी इसमें भाग ले सकें। प्रतियोगिता के तीसरे सत्र में भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी इसमें खेलेंगे। वह इस लीग में इसमें खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे। पूर्व क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि एसए20 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लीग बनने की राह पर है। स्मिथ एसए20 लीग के आयुक्त हैं और उनका लीग को इस स्तर तक आने में विशेष योगदान रहा है। स्मिथ ने कहा,''यह कहना सही नहीं लगता कि आप दुनिया की दूसरे नंबर की लीग बनना चाहते हैं पर सच्चाई यही है कि आईपीएल का कोई जवाब नहीं है। वह अविश्वसनीय टूर्नामेंट है जिसने क्रिकेट को बदल कर रख दिया''उन्होंने कहा,''हम भाग्यशाली हैं कि हमने आईपीएल की छह फ्रेंचाइजी को अपनी तरफ आकर्षित किया है। हमने एसए20 को आगे बढ़ाने के लिए बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के साथ मिलकर काम किया। हमें उनसे काफी कुछ सीखने को मिला।'' कार्तिक इस टूर्नामेंट में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वह लीग के भारत के दूत भी हैं। उन्होंने कहा कि इस साल की शुरुआत में सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद एसए20 सबसे अच्छी प्रतियोगिता थी जिसमें वह भाग ले सकते थे। कार्तिक ने कहा,''जब मैंने आईपीएल के बाद संन्यास लेने की घोषणा की तो तब भी मैं क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहता था। मैं सोच रहा था कि मेरे लिए क्या विकल्प है और इसका पता कैसे करना है क्योंकि मैं कभी किसी अन्य लीग का हिस्सा नहीं रहा।''उन्होंने कहा,''मैंने उन खिलाड़ियों से पूछा जो अन्य लीग का हिस्सा रहे हैं और एक बात जो सर्वसम्मति से सामने आई, वह यह थी कि एसए20 अभी आईपीएल के बाद सबसे बेहतर टूर्नामेंट है।

अश्विन की जगह लेंगे तनुष कोटियन

मेजबर्न । भारतीय टीम गुरुवार से यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वोले बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में एक बड़े बदलाव के साथ उतरेगी। इस मैच में ऑफ स्पिन ऑलराउंडर तनुष कोटियन को आर अश्विन की जगह पर शामिल किया गया है। पहले कहा जा रहा था कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएंगे पर बाद में तनुष को भेजने की बात सामने आयी। इससे पहले बीसीसी की मेडिकल टीम ने साफ कर दिया था कि शमी चोटिल हैं और वो ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जाएंगे। इसी के साथ बीसीसीआई ने तनुष कोटियन के टीम में शामिल करने की भी पुष्टि कर दी। अश्विन की तरह ही तनुष भी गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। तनुष कोटियन मुंबई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। उन्होंन भारतीय अंडर 19 टीम से भी खेला है। भारत-ए के हाला के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी वह टीम का हिस्सा थे। इस क्रिकेटर ने आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स के लिए एक मुकाबला भी खेला था हालांकि आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें किसी ने नहीं खरीदा था। कोटियन ने 2018-19 के रणजी सत्र के जरिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक 33 फर्स्ट क्लास मैचों में 25.70 के औसत से 101 विकेट हासिल किए हैं. इस दौरान उन्होंने 3 मौकों पर पारी में 5 विकेट लिए. बल्लेबाजी की बात करें तो तनुष ने 41.21 के औसत से 1525 रन बनाए हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कोटियन ने 2 शतक और 13 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने 20 लिस्ट-ए और 33 टी20 मुकाबले भी खेले हैं। लिस्ट-ए मैचों में कोटियन के नाम पर 43.60 की औसत से 20 विकेट दर्ज हैं. वहीं टी20 मैचों में उन्होंने 20.03 के एवरेज से 33 विकेट लिए हैं।

15 साल के ग्रांड मास्टर सव्वा बने 11वें सनवे सिट्जस इंटरनेशनल शतरंज के विजेता

सिट्जस (एजेंसी)। लंबे समय तक शतरंज का सरताज रहे रूस को अगली पीढ़ी का नया सितारा मिलता नजर आ रहा है। 15 वर्षीय ग्रांड मास्टर सव्वा वेटोखिन ने 11वें सनवे सिट्जस इंटरनेशनल शतरंज का खिताब टाईब्रेक मुक़ाबले में इज़राइल के इदों गोर्शटेन को पराजित करते हुए यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल किया 15 वर्षीय सव्वा इस ख़िताबी जीत के साथ अब लाइव रेटिंग में 2550 के करीब पहुँच गए है। 10 राउंड के इस टूर्नामेंट में 10 क्लासिकल राउंड के बाद फीडे के झंडे तले खेल रहे सव्वा और इज़राइल के इदों के बीच 8 अंको पर पहले और दूसरे स्थान के लिए टाई था जबकि तीसरे स्थान के लिए 7.5 अंको पर 6 खिलाड़ियों के बीच जिसमें भारत के इलामपारथी भी शामिल थे के बीच टाईब्रेक मुक़ाबला खेला गया। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार इन खिलाड़ियों के बीच टाईब्रेक को तोड़ने के लिए ब्लिट्ज़ मुक़ाबले खेले गए।

पहले स्थान के लिए हुए टाईब्रेक में सव्वा नें 1.5-0.5 के अंतर से जीत दर्ज करते हुए पहला स्थान हासिल किया, उन्होने पहला मुक़ाबला जीता जबकि दूसरा मुक़ाबला ड्रॉ खेलते हुए ख़िताबी विजय सुनिश्चित की। सव्वा के खेल जीवन का अब तक का यह सबसे बड़ा खिताब है। चेसबेस इंडिया से बातचीत करते हुए सव्वा नें कहा की आठवें राउंड में उनकी टॉप सीड आलेक्सींकों किरिल पर जीत उनके लिए बेहद खास रही और वह भविष्य में गुकेश की तरह विश्व चैम्पियन बनना चाहते है।

तीसरे स्थान के लिए टाईब्रेक के मुक़ाबले में चीन के ली डी नें सिंगापुर के टिन जिंगायों को पराजित करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया, सव्वा को 5000 यूरो, इदों को 3000 यूरो और ली डी को 1500 यूरो का पुरुष्कार मिला। साथ ही सव्वा का नाम टूर्नामेंट की प्रतिष्ठित ट्रॉफी में भी विजेता के तौर पर शामिल किया गया और यह काम खुद उनसे ही कराया गया।

शीर्ष 10 खिलाड़ियों में महदी घोलामी ईरान, जुलेस मोस्सार्ड और मार्क अंदरिया फ्रांस, भारत के इलामपारथी, जॉर्जिया के लूका किलद्ज़े और आस्ट्रिया के किरिल आलेक्सींकों शामिल रहे।

ईरान की मोबिना अलिनासेब नें सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का खिताब अपने नाम किया।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

तमन्ना भाटिया की ओडेला 2 का नया पोस्टर जारी, खतरनाक अंदाज में नजर आईं तमन्ना

तमन्ना भाटिया वर्तमान में ओडेला 2 में अभिनय कर रही हैं, जो 2021 की हिट ओडेला रेलवे स्टेशन की बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी है। अशोक तेजा द्वारा निर्देशित, फिल्म ने पहले ही महत्वपूर्ण रुचि जगा दी है। तमन्ना ने नागा साधु की भूमिका निभाई है, एक ऐसा किरदार जिसने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ाया हुआ है। इसी बीच तमन्ना के जन्मदिन के अवसर पर फिल्म से उनका खतरनाक लुक जारी कर दिया गया है।

ओडेला 2 से तमन्ना का लुक जारी

तमन्ना भाटिया को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए, ओडेला 2 के निर्माताओं ने एक नए पोस्टर का अनावरण किया, जिसमें अभिनेत्री को एक खतरनाक नागा साधु अवतार में दिखाया गया है। पोस्टर में उन्हें खोपड़ियों के एक मैदान में साहसपूर्वक चलते हुए दिखाया गया है, जिसके ऊपर उड़ते हुए गिद्ध एक तनावपूर्ण माहौल बना रहे हैं।

खतरनाक अंदाज में नजर आई तमन्ना

यह पोस्टर फिल्म में उनके किरदार की गहन और शक्तिशाली प्रकृति का संकेत देता है। तमन्ना भाटिया ने अपनी भूमिका के लिए कठोर प्रशिक्षण लिया है, जिसमें दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाले लुभावने स्टंट को परफेक्ट करने के लिए व्यापक रिहर्सल भी शामिल हैं। ओडेला 2 एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव का वादा करती है, जो तमन्ना द्वारा चित्रित अच्छाई और वशिष्ठ द्वारा चित्रित बुराई के बीच तीव्र टकराव पर केंद्रित है।

ओडेला 2 की कहानी, निर्माण

फिल्म की कहानी एक गांव के आसपास केंद्रित है, और कैसे इसके सच्चे रक्षक ओडेला मल्लन्ना स्वामी हमेशा अपने गांव को बुरी ताकतों से बचाते हैं। फिल्म के लिए संगीत अजनीश लोकनाथ द्वारा तैयार किया गया है, जो कंतारा में अपने काम के लिए मशहूर हैं। छायांकन प्रतिभाशाली साउंडराजन एस द्वारा किया जा रहा है। कला निर्देशन राजीव नायर के नेतृत्व में है। ऐसी कुशल और गतिशील तकनीकी टीम के साथ, ओडेला 2 एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव का वादा करती है।

गांधारी में एक्शन करती नजर आएंगी तापसी शूटिंग हुई शुरू

पसी पन्नू अपनी नई फिल्म की शूटिंग में ता बिजी हो गई हैं। उनकी इस फिल्म का नाम गांधारी है। जिसके सेट से एक्ट्रेस ने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें वह स्टार कास्ट के साथ नजर आ रही हैं। तापसी ने लिखा... हे प्रभु, मेरी प्रार्थना स्वीकार करो। मैं कभी भी अच्छे कर्म करने से विमुख न हो जाऊं। युद्ध में जाते समय मुझे शत्रुओं का भय न रहे और मैं दृढ़ निश्चय के साथ विजय हो जाऊं। मैं अपने मन को केवल आपके गुणगान करने की शिक्षा दूं। जब समय आए तो युद्ध के मैदान में वीरतापूर्वक लड़ते हुए मर जाऊं। इसका निर्देशन कनिका ढिल्लों कर रही हैं। यह कनिका और तापसी के बीच छठी साझेदारी है। गांधारी में तापसी काली बनकर दुष्टों का संहार करते दिखेंगी। वह फिल्म में एक मां की भूमिका में नजर आएंगी। नाम शबाना और बेबी वह फिर एक्शन करेंगी।

आमिर खान और दिलजीत के साथ बॉलीवुड डेब्यू करना चाहती है अहसास चन्ना

अहसास चन्ना, जिन्होंने एक बाल कलाकार के रूप में अभिनय की दुनिया में कदम रखा उन्होंने वेब सीरीज और शॉर्ट फिल्मों में शानदार अभिनय करते हुए लोगों का दिल जीता है। हाल ही में अभिनेत्री ने आमिर खान और दिलजीत दोसांझ के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने की इच्छा जाहिर की है। अभिनय से ब्रेक लेने के बारे में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उनका कभी भी इंडस्ट्री से गायब होने का इरादा नहीं था। एक बातचीत में उन्होंने फिल्म निर्माता इम्तियाज अली या करण जौहर के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने की इच्छा जताई। अभिनेत्री ने कहा, मैं आमिर खान के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करना चाहती हूं, मैं उन्हें एक अभिनेता के रूप में वास्तव में पसंद करती हूं।

ऋत्विक धनजानी की जिंदगी में हुई प्यार की एंट्री?

झऋत्विक धनजानी टीवी के जाने माने अभिनेता हैं और अपनी होस्टिंग को लेकर चर्चा में रहते हैं। ऋत्विक धनजानी और आशा नेगी की जोड़ी दर्शकों के बीच काफी फेमस थी। हालांकि, कुछ समय के बाद दोनों का रिश्ता खत्म हो गया था। अब फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है, ऐसा लगता है कि ऋत्विक धनजानी के जिंदगी में अब प्यार की एंट्री हो गई है। अभिनेता ने क्रिस्टल डिसूजा के साथ अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कई तस्वीरें साझा की है। फैंस को लगता है कि अभिनेता अब क्रिस्टल डिसूजा को डेट कर रहे हैं।

बॉलीवुड में बदलाव चाहते हैं वरुण धवन

वरुण धवन को बॉलीवुड में आए एक दशक से ज्यादा हो गया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिनेता ने कहा कि बॉलीवुड को नए सिरे से बदलाव की सख्त जरूरत है। उन्होंने अपनी चिंताएं व्यक्त कीं और आश्चर्य जताया कि क्या सत्ता में बैठे लोग वास्तव में इस जरूरत को समझते हैं। साक्षात्कार में उन्होंने यह भी कहा कि सुपरस्टार शाहरुख खान और सलमान खान समझ गए हैं कि चीजें कैसे बदल गई हैं।

इंडस्ट्री में नए लोगों की जरूरत

वरुण ने बॉलीवुड के परिदृश्य के बारे में बात की और इस क्षेत्र में और अधिक आवाजों के आने की जरूरत के बारे में बात की। उन्होंने साझा किया कि सत्ता में बैठे लोगों को खुद को फिर से तलाशने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हम सभी को आगे बढ़ना होगा। जो लोग अभी शक्तिशाली पदों पर हैं, उनकी एक आयु सीमा होती है, जो लोग सालों से एक ही काम कर रहे हैं। वे केवल शीर्ष पर हैं।

सभी बड़े सितारों को बदलाव की जरूरत

उन्होंने आगे कहा, मुझे यकीन नहीं है कि वे इसे पहचानते हैं या नहीं, लेकिन समय के साथ बदलाव करना महत्वपूर्ण है। हम सभी को ऐसा करना होगा, जिसमें मैं भी शामिल हूं। यह मुश्किल है, क्योंकि आप बदलाव नहीं चाहते हैं। आने वाले सितारे या जो अभी भी महत्वाकांक्षी हैं, उनके पास ये मंडलियां हैं, लेकिन जो पहले से ही उस मुकाम पर हैं, उनके आस-पास ये लोग नहीं हैं। शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान जैसे सितारे, वे भ्रमित नहीं हैं। वे जानते हैं कि क्या हो रहा है।

इंडस्ट्री में प्रवेश करना मुश्किल

वरुण को लगता है कि इंडस्ट्री में अलग-अलग और नई प्रतिभाओं की जरूरत है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि आजकल ऐसा क्यों नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में प्रवेश करना थोड़ा कठिन हो गया है, क्योंकि लोगों के पास तलाशने और यह तय करने के लिए कई विकल्प हैं कि वे अभिनेता बनना चाहते हैं या प्रभावशाली व्यक्ति या ओटीटी का रास्ता अपनाना चाहते हैं। वहीं, वरुण धवन अगली बार बेबी जॉन में नजर आएंगे, जो 25 दिसंबर को रिलीज होगी।

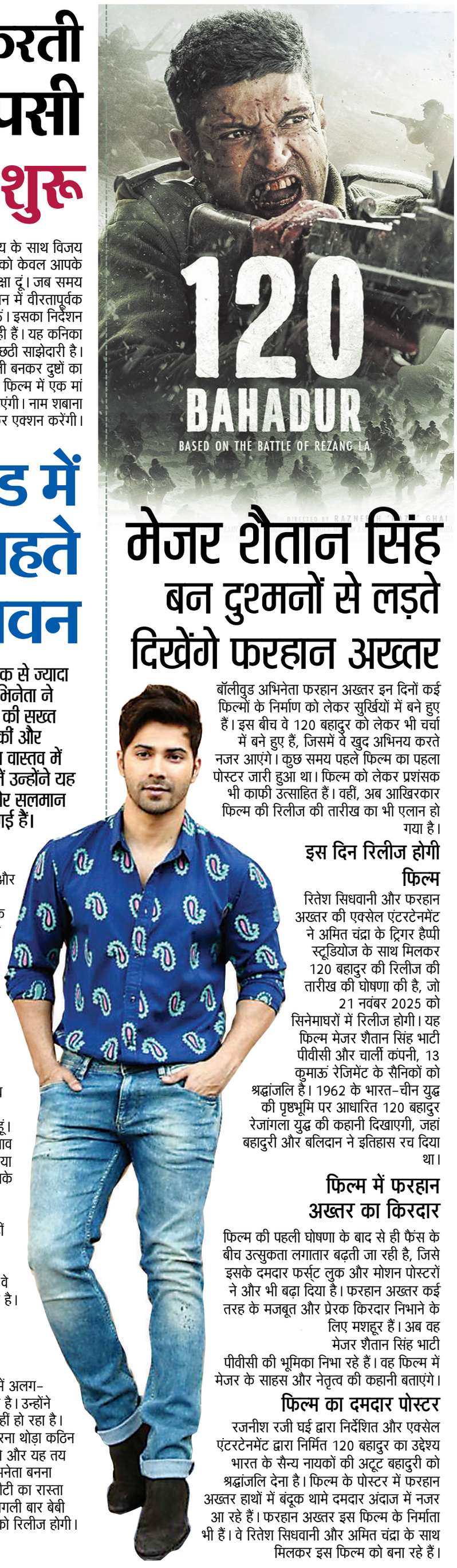

मेजर शैतान सिंह बन दुश्मनों से लड़ते दिखेंगे फरहान अख्तर

बॉलीवुड अभिनेता फरहान अख्तर इन दिनों कई फिल्मों के निर्माण को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बीच वे 120 बहादुर को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं, जिसमें वे खुद अभिनय करते नजर आएंगे। कुछ समय पहले फिल्म का पहला पोस्टर जारी हुआ था। फिल्म को लेकर प्रशंसक भी काफी उत्साहित हैं। वहीं, अब आखिरकार फिल्म की रिलीज की तारीख का भी एलान हो गया है।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अमित चंद्रा के ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज के साथ मिलकर 120 बहादुर की रिलीज की तारीख की घोषणा की है, जो 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म मेजर शैतान सिंह भाटी पीवीसी और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों को श्रद्धांजलि है। 1962 के भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित 120 बहादुर रेजांगला युद्ध की कहानी दिखाएगी, जहां बहादुरी और बलिदान ने इतिहास रच दिया था।

फिल्म में फरहान अख्तर का किरदार

फिल्म की पहली घोषणा के बाद से ही फैंस के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है, जिसे इसके दमदार फर्स्ट लुक और मोशन पोस्टरों ने और भी बढ़ा दिया है। फरहान अख्तर कई तरह के मजबूत और प्रेरक किरदार निभाने के लिए मशहूर हैं। अब वह मेजर शैतान सिंह भाटी पीवीसी की भूमिका निभा रहे हैं। वह फिल्म में मेजर के साहस और नेतृत्व की कहानी बताएंगे।

फिल्म का दमदार पोस्टर

रजनीश रजी घई द्वारा निर्देशित और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित 120 बहादुर का उद्देश्य भारत के सैन्य नायकों की अटूट बहादुरी को श्रद्धांजलि देना है। फिल्म के पोस्टर में फरहान अख्तर हाथों में बंदूक थामे दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। फरहान अख्तर इस फिल्म के निर्माता भी हैं। वे रितेश सिधवानी और अमित चंद्रा के साथ मिलकर इस फिल्म को बना रहे हैं।

वामिका के बाद अक्षय की भूत बंगला में हुई तब्बू की एंट्री?

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी बहुचर्चित हॉरर-कॉमेडी फिल्म को लेकर कमर कस चुके हैं। फिल्म की शूटिंग लगातार जारी है। जानिए इस फिल्म में अक्षय के अपोजिट कौन सी अभिनेत्री नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक प्रियदर्शन की आगामी फिल्म भूत बंगला में अक्षय कुमार संग तब्बू को जोड़ी नजर आ सकती है। अगर ऐसा होता है तो तब्बू करीब 13 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के साथ इस फिल्म में काम करेंगी। इससे पहले दोनों ने साल 2000 में एक साथ फिल्म हेरा फेरी में काम किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हॉरर-कॉमेडी फिल्म में तब्बू महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आएंगी। तब्बू को फिल्म में उनका किरदार और स्क्रिप्ट दोनों काफी पसंद आए हैं। तब्बू इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। भूत बंगला 2026 को रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और असरानी नजर आएंगे। फिल्म भूत बंगला की शूटिंग लगातार जारी है। हो सकता है कि फिल्म की शूटिंग अप्रैल, 2025 तक खत्म हो जाएगी। फिल्म भूत बंगला की शूटिंग को लेकर अक्षय कुमार ने पहले सूचना दी थी। इसके साथ ही अक्षय ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया था। अक्षय ने फिल्म के पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीड डेट 2 अप्रैल, 2026 का खुलासा भी किया था। भूत बंगला के दो पोस्टर अभी तक सामने आ चुके हैं। भूत बंगला के दूसरे पोस्टर में अक्षय गेट किपर की तरह हाथ में लालटेन थामे नजर आए। तो वहीं फिल्म के पहले पोस्टर में अक्षय ब्लू सूट-व्हाइट शर्ट और रेड टाई में हाथ में दूध का कटोरा लिए और दूध को चाटते हुए नजर आए थे। उनके बगल में एक खतरनाक बिल्ली भी नजर आई। भूत बंगला से पहले भी प्रियदर्शन के फिल्म भूत बंगला से पहले अक्षय प्रियदर्शन के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। इस लिस्ट में भागम भाग, भूल भुलैया, दे दना दन, हेरा फेरी शामिल हैं। फिल्म भूत बंगला का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं और इसका निर्माण शोभा कपूर, एकता कपूर और अक्षय कुमार का प्रोडक्शन हाउस केप ऑफ गुड फिल्म्स के अंतर्गत किया जा रहा है। फिल्म की कहानी आकाश ए कोशिक ने लिखी है। फिल्म के डायलॉग रोहन शंकर ने लिखे हैं।

सोनू सूद ने 'हिटमैन' को बताया 'दिल्ली वालों' का गाना

फिल्म इंडस्ट्री के वर्सेटाइल अभिनेता सोनू सूद अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'फतेह' के प्रमोशन में जुटे हैं। वह यो यो हनी सिंह के साथ दिल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने बताया कि फिल्म का गाना 'हिटमैन' दिल्ली वालों के लिए एक तोहफा है और यह गाना दिल्ली वालों के लिए ही है। फिल्म के प्रमोशन के लिए दिल्ली पहुंचे अभिनेता ने कहा, दो पंजाबी लड़के, एक शानदार गाना और एक ऐसा शहर जो पार्टी करना जानता है। इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। 'हिटमैन' को दिल्ली लाना इसे घर लाने जैसा लगा। इस शहर का एनर्जी और म्यूजिक के प्रति प्यार बेजोड़ है। सोनू सूद ने कहा, हनी और मैं दिल्ली वालों को एक ऐसा गाना देना चाहते थे जिसे वे अपना सकें। दिल्ली वालों को हमारे साथ डांस करते, खुश होते और जश्न मनाते देखना शानदार रहा। यह तो बस शुरुआत है, पार्टी और भी बड़ी होने वाली है। पीवीआर प्लाजा, कनॉट प्लेस में आयोजित एक ग्रैंड इवेंट में सोनू सूद और हनी सिंह की जोड़ी ने अपने खास अंदाज और पंजाबी पावर के साथ गाने पर परफॉर्म किया और दिल्ली के रंग में रंगे नजर आए।

हनी सिंह ने कहा, मैं हिटमैन को पसंद करने और इसे हिट सॉन्ग बनाने के लिए अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं। सोनू सर और दिल्ली के लोगों के साथ इस पर थिरकना 2024 का जश्न मनाने का सबसे सही तरीका है। हमने दिल्ली में अद्भुत समय बिताया और इस दौरान यहां पर हमने जो एनर्जी महसूस की वह अविश्वसनीय थी। यह गाना उन सभी के लिए है जो डांस फ्लोर पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं। नए साल के लिए आपको गाना मिल चुका है।